●वर्ष : 16 ●अंक : 192 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08

RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

शनिवार 02 नवम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen . (9315755133 / ya email Karen) angenpharmaceuticals@gmail.com

चुनावी गारंटी पर खरगे की सलाह के बाद हमलावर हुए पीएम मोदी

कहा- कर्नाटक में कांग्रेस विकास की बजाय अंदरूनी राजनीति और लूट में व्यस्त

नूना न्यूज एजेंसी

कर्नाटक। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक में 'शक्ति' गारंटी योजना के संदर्भ में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार की आलोचना किए जाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस को इस बात का एहसास हो रहा है कि अवास्तविक वादे करना आसान है, लेकिन उन्हें ठीक से क्रियान्वित करना कठिन या असंभव है। कांग्रेस पार्टी इस बात को भली-भांति समझ रही है कि अवास्तविक वादे करना तो आसान है लेकिन उन्हें सही ढंग से लागू करना कठिन या असंभव है। अभियान दर अभियान वे लोगों से ऐसे वादे करते हैं, जिन्हें वे भी जानते हैं कि वे कभी पूरा नहीं कर पाएंगे। अब, वे लोगों के सामने बुरी तरह बेनकाब हो गये हैं। किसी भी राज्य की जाँच करें जहाँ आज कांग्रेस की सरकारें हैं हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना विकासात्मक प्रक्षेपवक्र और राजकोषीय स्वास्थ्य बद से बदतर होता जा रहा है। उनकी तथाकथित गारंटी अधूरी पड़ी है, जो इन राज्यों के लोगों के साथ एक भयानक धोखा है। ऐसी राजनीति के शिकार गरीब, युवा, किसान और महिलाएं हैं, जिन्हें न केवल इन वादों के लाभ से वंचित किया जाता है, बल्कि उन्हें अपनी मौजूदा योजनाएं भी कमजोर नजर आती हैं। पीएम मोदी ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस विकास की परवाह करने के बजाय पार्टी के अंदर की राजनीति और लूट में व्यस्त है। इतना ही नहीं, वे मौजूदा योजनाओं को भी वापस लेने जा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं मिलता। तेलंगाना में किसान उस छूट का इंतजार कर रहे हैं जिसका उन्होंने वादा किया था। इससे पहले, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में उन्होंने कुछ भत्ते देने का वादा किया था जो पांच साल तक कभी लागू नहीं किया गया। ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं कि कांग्रेस कैसे काम करती है। देश की जनता को कांग्रेस प्रायोजित झूठे वादों की संस्कृति से सचेत रहना होगा! हमने हाल ही में देखा कि कैसे हरियाणा के लोगों ने उनके झूठ को खारिज कर दिया और एक ऐसी

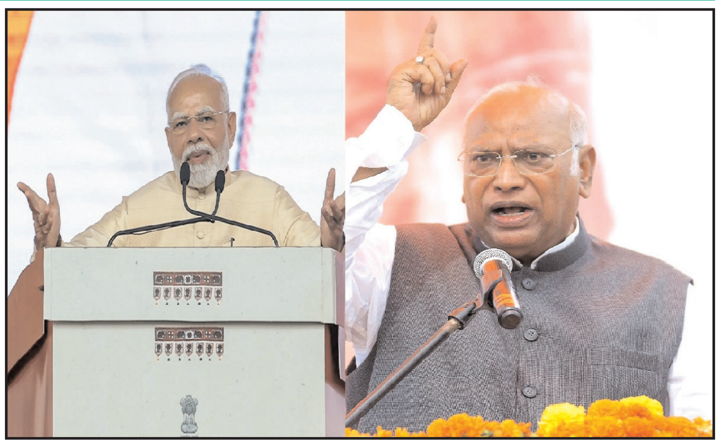

सरकार को प्राथमिकता दी जो स्थिर, प्रगति उन्मुख और कार्य संचालित हो। पूरे भारत में यह अहसास बढ़ रहा है कि कांग्रेस के लिए वोट गैर-शासन, खराब अर्थव्यवस्था और अद्वितीय लूट के लिए वोट है। भारत की जनता विकास और प्रगति चाहती है, वही पुरानी बात नहीं।

शिवसेना के दशहरा मेलावा के बाद अब अजित और शरद पवार का अपना-अपना दिवाली पड़वा समारोह

नूना न्यूज एजेंसी

महाराष्ट्र। के उपमुख्यमंत्री अजित पवार अपने चाचा शरद पवार के नेतृत्व वाली पांच दशक की परंपरा को तोड़ते हुए बारामती में अपना खुद का 'दिवाली पड़वा' समारोह आयोजित किया। यह महाराष्ट्र की राजनीति में खुद को एक स्टैंडअलोन शक्ति के रूप में स्थापित करने के अजीत के इरादे की एक प्रतीकात्मक घोषणा के रूप में दशार्ने वाला कदम है। सभी की निगाहें अब बारामती पर हैं क्योंकि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच पवार परिवार अपने पड़वा उत्सव को विभाजित कर रहा है। शरद पवार ने हाल ही में बारामती विधानसभा सीट के लिए अपने भतीजे युगेंद्र पवार की उम्मीदवारी की घोषणा की, जिससे वह

क्षेत्र में अजीत के प्रभाव के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा में आ गए।

शिवसेना के दशहरा मेला के बाद एनसीपी का दिवाली पड़वा

अजित का कदम महाराष्ट्र की राजनीति में हालिया राजनीतिक विभाजन के कदमों की यादें ताजा कराता है। जैसे कि शिवसेना का दशहरा मेलावा, जिसे अब उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे अलग-अलग आयोजित करते हैं। अजित पवार का पड़वा उत्सव इसी कड़ी में एक ऐसा कदम है, जिसके जरिए वह स्वतंत्र रूप से अपनी स्थिति मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं। दिवाली पड़वा कार्यक्रम के दौरान अजीत पवार स्थानीय अधिकारियों और पार्टी कार्यकताओं से मिलेंगे, जिसका उद्देश्य समर्थन जुटाना और बारामती और महाराष्ट्र के लिए अपने दृष्टिकोण को रेखांकित करना होगा। यह उत्सव केवल एक उत्सव का अवसर नहीं है, बल्कि अजीत की दृढ़ता और अपने राजनीतिक क्षेत्र की रक्षा करने की तत्परता का एक प्रदर्शन है।

दिवाली पड़वा का बारामति कनेक्शन

1967 में महाराष्ट्र विधानसभा के लिए अपने पहले चुनाव के बाद, शरद पवार ने अपने बारामती निवास, गोविंद बाग में दिवाली पड़वा परंपरा शुरू की। मूल रूप से एक पारिवारिक सभा, यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण राजनीतिक अवसर बन गया, जिसमें राज्य भर से पार्टी के सदस्य और समर्थक शामिल हुए। 2 जुलाई, 2023 को अजित पवार के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद परिवार में राजनीतिक विभाजन हो गया, जिसका असर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में भी देखने को मिला और परिणामस्वरूप एनसीपी दो हिस्सों में बंट गई। पिछले साल, अजीत ने अपने स्वयं के पड़वा कार्यक्रम की मेजबानी करने से परहेज किया था, लेकिन परिवार के भाऊबीज उत्सव में उपस्थित हुए थे, जिसने शरद पवार के साथ फिर से जाने की अटकलों को तेज कर दिया था।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

अधिक बच्चे पैदा करने के नायडू के बयान पर भाजपा मौन

आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने अपने राज्य के लोगों से दो अधिक बच्चे पैदा करने की मांग की है। सर्वाधिक आश्चर्य यह है कि इन दो राज्यों के मुख्यमंत्रियों की इस मांग के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने चुप्पी साध रखी है। मुसलमानों को दो से अधिक बच्चे पैदा करने पर परोक्ष और प्रत्यक्ष तौर पर कोसने वाली भाजपा इन दो मुख्यमंत्रियों की मांग पर पूरी तरह मौन है। कारण साफ है चन्द्रबाबू नायडु ने केंद्र की भाजपा सरकार को अपनी पार्टी तेलगुदेशम पार्टी के सांसदों का समर्थन दे रखा है। दूसरे शब्दों में कहे तो केंद्र की मोदी सरकार नायडु की बैसाखियों पर टिकी है। इसलिए दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने के नायडू के बयान पर भाजपा ने मौन रखना ही बेहतर समझा। इसमें भाजपा को देश के लिए वैसा खतरा नजर नहीं आया, जैसा मुसलमानों की जनसंख्या वृद्धि को लेकर दिखाई देता है। नायडू के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा था कि लोगों को 16 बच्चे पैदा करने चाहिए। यह बात उन्होंने सरकारी विवाह योजना के तहत 31 जोड़ों के विवाह समारोह में कही। स्टालिन का यह सुझाव नायडू द्वारा यह खुलासा किए जाने के एक दिन बाद आया है कि आंध्रप्रदेश में उनकी सरकार एक ऐसा कानून बनाने की योजना बना रही है, जिसके तहत केवल दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को ही स्थानीय निकाय चुनाव लड? की अनुमति होगी। जनसंख्या के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों को फिर से परिभाषित करने की कवायद 2026 में होने वाली है। इससे लोकसभा सीटों की संख्या 543 से बढ़कर 753 हो जाएगी। दक्षिण में क्षेत्रीय दलों को डर है कि इससे अधिक आबादी वाले राज्यों में सीटों की संख्या में भारी उछाल आएगा, जबकि दक्षिण में यह वृद्धि मामूली होगी।

SYED ZAKI HAIDER

(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR OF NAI UMMEED NEWS AGENCY

MOBILE NO. 9911371802

EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

सार समाचार

भीड़ को नियंत्रित करने आरपीएफ ने बढ़ाई जवानों की तैनाती

जबलपुर। दीपावली पर्व पर ट्रेनों में हो रही भीड़ के दरमियान यात्रियों को सुरक्षित यात्रा कराने के लिए रेलवे सुरक्षा बल ने सभी प्लेटफार्मों पर 18 अतिरिक्त सुरक्षा बल की तैनाती की है। स्टेशन पर यात्रियों के पास विस्फोटक सामग्री की भी जांच की जा रही है। इस संबंध में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ.मधुर वर्मा ने बताया कि मंडल रेल प्रबंधक विवेक शील के निर्देशन में मंडल के जबलपुर, मदन महल,कटनी, मैहर, सतना, श्रीधाम, नरसिंहपुर, गाडरवारा एवं पिपरिया आदि प्रमुख स्टेशनों पर वाणिज्य विभाग की ओर से मुख्य वाणिज्य निरीक्षकों तथा परिचालन विभाग की ओर से स्टेशन प्रबंधक और संरक्षा विभाग की ओर से रेल सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। जिससे दीपावली एवं छठ पर्व पर छुट्टियों में आने जाने वाले यात्रियों की भीड़ का प्रबंधन यात्रियों को बिना असुविधा के किया जा सके।

पमरे के दो अधिकारी और 90 कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त

जबलपुर। सितम्बर माह के अंतिम कार्य दिवस में पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय में कार्यरत दो अधिकारियों और चार कर्मचारियों सहित जबलपुर, भोपाल, कोटा मण्डलों एवं दोनों कारखानों में मिलाकर कुल 90 रेलकर्मी बुधवार 30 सितम्बर 2024 को सेवानिवृत्त हुए। पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में माह के अंतिम कार्य दिवस 30 सितम्बर को मुख्य ब्रिज इंजीनियर अरुण कुमार हजारे, सहायक फार्मेसी अधिकारी पंजाब राव पाटिल, मुख्य फिंगर प्रिंट विशेषज्ञ तरुण कुमार सूरी, मुख्य कार्यालय अधीक्षक धनंजय राव नाइक एवं मुख्य कार्यालय अधीक्षक दीपा दासगुप्ता सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक आर. एस. सक्सेना ने उपस्थित सेवानिवृत्ति अधिकारियों को संबंधित दस्तावेज एवं गोल्ड प्लेटेड सिलवर मेडल प्रदान किये। सेवानिवृत्ति पर रेल प्रशासन की ओर से स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन के लिए शुभकामनायें दी गई। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य क्रमिक अधिकारी श्री प्रभात, प्रमुख मुख्य इंजीनियर आशुतोष, प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी श्याम सुन्दर, मुख्य वित्त सलाहकार (एफएंड बी) दीपक कुमार खेरा, मुख्य कार्मिक अधिकारी (प्रशासन) दीपक कुमार गुप्ता, एवं मुख्यसंकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (योजना) संजीव तिवारी सहित अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

सतरंगी रोशनी में नहाया शहर चारों ओर दिख रही सजावट

जबलपुर। उजाले के पर्व दीपावली की उत्सवधर्मिता शीर्ष पर है। पूरा शहररो शनी से जगमगा उठा है। कल धन की बारी थी तो दूसरे दिन तन की बारी थी।

धनतेरस को धन बरसा तो रूप चौदस को रूप की बहार रही। इस दिन को छोटी दीवाली भी कहते हैं। जब प्रमुख पूजा होगी, तो वो बड़ी दीवाली हो जाएगी। लिपे-पुते घर-मकान मां लक्ष्मी की आगवानी को तैयार हैं। बाजार पूरी तरह से कुबेर की कृपा के स्वरूप बन चुके हैं, तो मिष्ठान-गिफ्ट मार्केट की बहार है।

सजना है मुझे मैया के लिए

सजना है मुझे सजना के लिए, ये लाइन सौंदर्य प्रेमी महिलाओं में खासी लोकप्रिय है। लेकिन इस लाइन के अर्थ बदले हैं। महिलाओं ने सजना है मुझे सजना के लिए की बजाये सजना है मुझे लक्ष्मी मैया के लिये गीत गाए। दीपावली के दिन चूंकि अभी सभी व्यस्त रहेंगी। इस कारण रूप चौदस का लाभ उठाते हुए महिलाओं ने श्रृंगार किया। हाथों-बालों में मेंहदी के साथ अन्य सज्जा की। ब्यूटी पॉर्लरों में पैर रखने को जगह नहीं थी।

अपनों के कारण मजा दुगना

दीवाली ऐसा त्यौहार है, जिसमें बाहर रह कर काम-धंधा करने वाले भी घर लौटते हैं। यही कारण है कि त्यौहार का मजा अपनों के आने के कारण दो गुना हो जाता है। बाहर पढ़ने वाले बच्चे, काम करने वाले बच्चों के घरों में लौटने से घर वाले उत्साहित हैं। रूप चतुर्दशी पर महिलायें सपरिवार सजने-संवरने निकलीं। वहीं भगवान को चढ़ने वाले नैवैद्य के साथ ही अपनों के आने पर उनकी पसंद के पकवान बनाने का दौर भी जारी रहा।

जबलपुर मंडल के 21 कर्मी सेवा निवृत्त

जबलपुर। जबलपुर रेल मंडल में अपनी आवश्यक रेल सेवा पूर्ण करने पर एक अधिकारी एवं 20 कर्मचारियों को आवश्यक रेल सेवा पूर्ण होने पर डीआरएम विवेक शील द्वारा गोल्ड प्लेटेड सिल्वर मेडल तथा सेवानिवृत्ति से संबंधित दस्तावेज देकर विदाई दी गई। इस अवसर पर सेवा निवृत होने वाले अधिकारी प्रमोद कुमार गुप्ता सहायक मंडल विद्युत अभियंता एवं कर्मचारियों में श्री नारायण, रामदीन, अनिल कुमार दुबे, प्रवीण कुमार दुबे, नर्मदा प्रसाद, फूलचंद, पारसनाथ शुक्ला, रमाकांत शर्मा आदि प्रमुख थे।

नापतौल विभाग ने 107 प्रकरण किए दर्ज

जबलपुर। नाप-तौल विभाग के अधिकारियों द्वारा नियमों का उल्लंघन करने पर डिब्बा बंद वस्तु, आभूषण, खाद-बीज, किराना, हार्डवेयर एवं मिठाई विक्रेताओं के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। उप नियंत्रक नाप-तौल एसके उईके ने बताया कि निरीक्षक रणजीत कुमार ढोके द्वारा जांच के बाद 57 एवं निरीक्षक किरणलता सैयाम द्वारा 50 प्रकरणों को पंजीबद्ध कर कार्यवाही की जा चुकी है।

उन्होंने बताया कि मिठाई विक्रेताओं को उपभोक्ताओं को मिठाई का वजन पूरा उपलब्ध कराने एवं मिठाई के वजन में डिब्बे का वजन सम्मिलित नहीं रहे यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए हैं।

होटल वेलकम ब्लास्ट जांच, अनट्रेंड कर्मियों की लापरवाही

कंपनी के खिलाफ एफआईआर

जबलपुर। 5 अक्टूबर को जबलपुर में आईटीसी की निर्माणाधीन होटल वेलकम में हुए ब्लास्ट की जांच रिपोर्ट सामने आ गई है। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई थी और 7 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। कलेक्टर के निर्देश पर अपर कलेक्टर के नेतृत्व में गठित जांच टीम ने पाया कि ब्लास्ट के लिए होटल के दो कर्मचारियों की लापरवाही जिम्मेदार थी।

इसके बाद दिल्ली की साकार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी और उसके दो कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

जांच में सामने आया कि साकार इंडिया लिमिटेड ने एक 10वीं पास व्यक्ति को गैस पाइपलाइन की फिटिंग और चेकिंग के लिए नियुक्त किया था, जो पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित नहीं था। घटना के समय होटल का एक कर्मचारी अनिल लाइटर जला रहा था, जिससे जोरदार धमाका हुआ और होटल की सेकंड फ्लोर की बिल्डिंग को भारी नुकसान पहुंचा।

अपर कलेक्टर मिशा सिंह के अनुसार, इस तरह के गैस से जुड़े कार्य में एक्सपर्ट की आवश्यकता थी, लेकिन साकार इंडिया लिमिटेड ने प्रशिक्षित कर्मियों की जगह कम पढ़े-लिखे व्यक्तियों को भेजा। दिल्ली से जबलपुर भेजे गए नित्यानंद और होटल के कर्मचारी अनिल की लापरवाही की वजह से यह हादसा हुआ, जिसके कारण उनके खिलाफ धारा 106 और 287 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जांच टीम ने होटल संचालक राजेश जैन से भी संबंधित दस्तावेज मांगे हैं, जिसमें होटल की जमीन, बिल्डिंग निर्माण और सुरक्षा उपायों की जानकारी शामिल है।

साकार इंडिया लिमिटेड के संचालक को भी जबलपुर बुलाकर इस मामले में पूछताछ की जाएगी। हादसे में महाराष्ट्र के नासिक निवासी जागृति (22) की जान चली गई, जबकि अन्य 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतक के परिजनों को 4 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।

वेतन का भुगतान ना होने से रादुविवि कर्मचारी नाखुश

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (आरडीयू) में अब श्रमसाध्य को लेकर घमासान शुरू हो गई है। मंगलवार को कर्मचारियों ने कुलगुरू कार्यालय में एक पत्र सौंपते हुए तत्काल श्रमसाध्य का भुगतान किए जाने की मांग रखी है। कर्मचारियों ने अल्टीमेंटम दिया है कि 30 अक्टूबर को भुगतान नहीं हुआ तो, सोमवार 4 नवंबर से विश्वविद्यालय का कामकाज ठप कर देंगे, जिसकी जिम्मेदारी कुलगुरू की होगी। अभी कुछ दिनों पहले ही कर्मचारियों का आंदोलन आश्वासन के बाद स्थगित हुआ था। उक्त मामला अभी संभला ही नहीं है कि फिर कर्मचारियों ने प्रशासन से दो-दो हाथ करने का मन बना लिया है। सबसे मजे की बात यह कि पहले तो कुलगुरू अपने पाले की गेंद कुलसचिव कार्यालय की ओर फेंक का पल्ला झाड़ लेते थे। लेकिन बदली हुई परिस्थितियों में तो उनका यह दाव भी नहीं चलेगा। लिहाजा अब बजट का हवाला दिया जा रहा है।

परीक्षा-गोपनीय में हो गया भुगतान

श्रमसाध्य की मांग कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन 5 जुलाई को जारी किए गए आदेश से कुछ कर्मचारियों को कुलगुरू का अनुमोदन मिलने के उपरान्त श्रमसाध्य भत्ता प्राप्त हो गया है।

लेकिन हम सभी बेहद व्यथित एवं दुखी हैं कि दीपावली पर्व पर अधिकांश कर्मचारी-अधिकारी को इस लाभ से वंचित रखा गया है। जबकि लेखा शाखा में यथा समय सभी विभागों ने श्रमसाध्य देयक प्रस्तुत कर दिए हैं। लिहाजा विश्वविद्यालय प्रशासन को तत्काल कार्यवाही करते हुए शेष कर्मचारियों को श्रमसाध्य भत्ता के भुगतान कर देना चाहिए।

कर्मचारियों के बैंक खाता में राशि नहीं पहुंचने पर 4 नवंबर से कर्मचारी क्रमिक अनशन बैठेंगे।

समन्वय समिति के निर्णय ने उलझाया

श्रमसाध्य को लेकर सभी पारंपरिक विश्वविद्यालयों में विवाद की स्थिति बनती देख कुलाधिपति की अध्यक्षता वाली समन्वय समिति में उक्त मुद्दा रखा गया था। ताकी श्रमसाध्य भुगतान को लेकर एकरूपता लायी जा सके। बताया जाता है कि समन्वय समिति की बैठक में यह तय किया गया था कि परीक्षा कार्यों में संलिप्त समस्त विभागों के कर्मचारियों को श्रमसाध्य का भुगतान किया जाएगा। बात साफ है कि विश्वविद्यालय के जितने भी विभाग के कर्मचारी परीक्षा कार्यों में अपने सेवा देते है। वे सभी श्रमसाध्य के अधिकारी बन गए है।

दिल्ली

आईआईटी भिलाई में एक भव्य और यादगार दीक्षांत समारोह का आयोजन

राजधानी में देवी की पोशाक पहनकर रेड लाइट पर भीख मांगता बच्चा।

नई दिल्ली, अक्तूबर : आईआईटी भिलाई ने अपने परिसर के नालंदा हॉल में भव्यता के साथ अपना तीसरा और चौथा दीक्षांत समारोह आयोजित किया। भारत की माननीय राष्ट्रपति, द्रौपदी मुर्मु समारोह की मुख्यातिथि रहीं और उन्होंने दीक्षांत समारोह में उपस्थित लोगो को संबोधित किया। छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल श्री रमेन डेका और छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय विशिष्ट अतिथि रहे। आईआईटी भिलाई के बोर्ड ऑफ गवर्नर के अध्यक्ष श्री कृष्णमूर्ति वेंकटरमणन ने समारोह की अध्यक्षता की। 20 फरवरी 2024 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा आईआईटी भिलाई का स्थायी परिसर राष्ट्र को समर्पित किया गया था। संस्थान की स्थापना 2016 में हुई उसके बाद से अब तक की यात्रा में, माननीय राष्ट्रपति का स्थायी परिसर का दौरा संस्थान की एक और बड़ी उपलब्धि को दर्शाता है। इस दीक्षांत समारोह में 2023 और 2024 में स्नातक करने वाले 396 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। 2023 बैच के स्नातक छात्रों में 13 पीएचडी, 11 एमएससी, 27 एमटेक, 13 बीटेक (ऑनर्स) और 123 बीटेक स्नातक शामिल थे। 2024 के स्नातक बैच में 8 पीएचडी, 20 एमएससी, 19 एमटेक, 12 बीटेक (ऑनर्स) और 150 बीटेक स्नातक थे।

शैक्षणिक शोभायात्रा के आगमन के साथ ही दीक्षांत समारोह का शुभारंभ हुआ। मुख्यातिथि और विशिष्ट अतिथियों का स्वागत श्री कृष्णमूर्ति वेंकटरमन जी ने किया। आईआईटी भिलाई के निदेशक प्रोफेसर राजीव प्रकाश ने माननीय राष्ट्रपति और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया, जिन्होंने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। प्रोफेसर प्रकाश ने राज्य के आदिवासी समुदायों के सामने आने वाली कठिनाइयों के लिए समाधान विकसित करने हेतु संस्थान के दृष्टिकोण के बारे में बताया।

उन्होंने संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों के बारे में भी बताया, जिसमें आईआईटी भिलाई के छात्र/छात्राओं और शोधकर्ताओं में लगातार वृद्धि, किसानों की उपज बढ़ाने के लिए स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों पर निरंतर शोध और उत्पादकता बढ़ाने के लिए भिलाई स्टील प्लांट जैसे प्रमुख हितधारकों के साथ जुड़ना शामिल है। श्री के वेंकटरमणन ने अपने संबोधन में शिक्षा, नवाचार अनुसंधान और प्रतिभाशाली युवाओं के समग्र प्रशिक्षण के लिए नए मानक स्थापित करने की संस्थान की प्रतिबद्धता की ओर ध्यान आकर्षित किया। दीक्षांत समारोह के संबोधन में माननीय राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने छत्तीसगढ़ के स्वदेशी और आदिवासी लोगों के सतत विकास के लिए आईआईटी भिलाई के समग्र योगदान की सराहना की। संस्थान का पाठ्यक्रम विकास, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के साथ संरेखित है और सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए निवेश के अवसर प्रदान करने वाले आईआईटी भिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन (आईबीआईटीएफ) के माध्यम से की गई आउटरीच गतिविधियों का राष्ट्रपति के दीक्षांत भाषण में विशेष उल्लेख किया गया। समारोह उपलब्धि और संतुष्टि के साथ संपन्न हुआ, जिससे प्रतिभागियों में सामाजिक उत्थान और राष्ट्रीय विकास के लिए काम करने के लिए नए उत्साह का संचार हुआ।

इंडियाएआई और मेटा ने आईआईटी जोधपुर में सैंटर फॉर जेनेरेटिव एआई, सृजन की स्थापना की घोषणा की

मेटा ने सृजन को धन और अपने आंतरिक अनुसंधान से सहायता देने का संकल्प लिया

नई दिल्ली, अक्तूबर : इंडियाएआई और मेटा ने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के साथ समझौते के अंतर्गत आईआईटी जोधपुर में जनरेटिव एआई, सृजन केंद्र की स्थापना और ह्लकौशल और क्षमता निर्माण के लिए युवाएआई पहलह्व की शुरुआत की घोषणा की। इसका उद्देश्य भारत में ओपन सोर्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की उननित को प्रोत्साहन देना है। जनरेटिव एआई, सृजन केंद्र की स्थापना सीओई ओपन-सोर्स एआई का उपयोग करके और लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) में संभावनाओं की खोज करके एआई नवोन्मेषकों और उद्यमियों की अगली पीढ़ी की पहचान करेगा और उन्हें सशक्त बनाएगा। इसके तत्वावधान में किए गए शोध को एआईसीटीई के माध्यम से विद्यार्थियों और महाविद्यालयों के साथ सीधे संपर्क के माध्यम से साझा किया जाएगा। सृजन भारत भर में ओपन-सोर्स एलएलएम को तैनात करने और हैकथॉन के माध्यम से स्वदेशी उपयोग के मामलों का पता लगाने के लिए युवा डेवलपर्स को शामिल करेगा। यह चुनिंदा महाविद्यालयों, डेटा प्रयोगशाला और आईटीआई के लिए मास्टर ट्रेनिंग एक्टिवेशन वर्कशॉप आयोजित करेगा, जिससे उन्हें एलएलएम की बुनियादी बातों से परिचित कराया जा सके और उनमें रुचि पैदा की जा सके। यह युवा डेवलपर्स की पहचान करके ओपन सोर्स एलएलएम के साथ प्रयोग करने वाले विद्यार्थियों के नेतृत्व वाले स्टार्टअप के निर्माण में सहायता करेगा। इलैक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के सचिव श्री एस कृष्णन ने सहयोगात्मक नवाचार की शिक्त पर प्रकाश डालते हुए इंडियाएआई, आईआईटी जोधपुर, एआईसीटीई और मेटा के बीच साझेदारी के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा, ये पहल अभूतपूर्व अनुसंधान, कौशल विकास और ओपन-सोर्स नवाचार के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम बनाने, एआई प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने और इसकी जिम्मेदार और नैतिक तैनाती सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण हैं। यह पहल देश के युवाओं को वैश्विक एआई क्षेत्र में नेतृत्व करने के लिए तैयार करके भारत के 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य का समर्थन करेगी, जिससे तकनीकी उननित और आर्थिक विकास में एक अग्रणी के रूप में भारत की स्थिति सुरक्षित होगी।

साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, एमईआईटीवाई के अतिरिक्त सचिव, अभिषेक सिंह ने कहा, ह्लभारत सरकार इंडियाएआई पहल के अंतर्गत समावेशी विकास को आगे बढ़ाने के लिए एआई नवाचार, कौशल और तकनीकी उननित के दृष्टिकोण का समर्थन कर रही है। मेटा जैसे उद्योग के नेताओं के साथ हमारा सहयोग इस दृष्टिकोण को साकार करने के लिए महत्वपूर्ण है। एआई में ओपन सोर्स नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देकर, उभरती प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान और कौशल विकास को आगे बढ़ाकर, हम प्रतिभा की कमी को समाप्त रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हमारे युवा एआई क्रांति का नेतृत्व करने के लिए सुसिज्जत हों, अंततः दायित्वपूर्ण विकास में एक वैश्विक नेतृत्व के रूप में भारत की स्थिति को सुरिक्षत करें और एक मजबूत एआई इकोसिस्टम में योगदान दें।

उत्कृष्टता केंद्र की घोषणा 27 जुलाई, 2023 को एमईआईटीवाई के तत्वावधान में की गई थी। सृजन मेटा की सीड फंडिंग और इंडियाएआई के समर्थन से शुरु आती चरण से परे जीईएनएआई अनुसंधान की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करेगा। आईआईटी जोधपुर एक व्यापक योजना तैयार करेगा जिसमें विविध राजस्व धाराएँ, महत्वपूर्ण साझेदारी और निरंतर नवाचार शामिल होंगे। फंडिंग सहायता की अविध के दौरान एमईआईटीवाई और मेटा की संयुक्त समिति द्वारा इसकी प्रगति की सालाना निगरानी की जाएगी।साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टीजी सीताराम ने कहा, ह्लकौशल और क्षमता निर्माण के लिए एआई पहल भारत की एआई क्षमता को साकार करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल देश भर के संस्थानों को संगठित कर रही है और एआई नवाचार के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम बनाने के लिए शिक्षा, उद्योग और सरकार के बीच सहयोग को प्रोत्साहन दे रही है।ह्व

बीजेपी की सरकार द्वारा किसानों के उपर जुल्म किए जा रहे हैं : अभय सिंह चौटाला

चंडीगढ़, अक्तूबर : इनैलो के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अभय सिंह चौटाला ने उचाना में शनिवार को डीएपी खाद लेने गए किसानों पर किए गए लाठीचार्ज की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि यह प्रदेश का दुर्भाग्य है कि पिछले दस सालों से जब से बीजेपी की सरकार हरियाणा में आई है तब से किसानों के उपर जुल्म किए जा रहे हैं। बीजेपी सरकार में न तो किसानों को खराब फसल का मुआवजा दिया जा रहा है, न ही खराब हुई फसलों की बीमा की रकम दी जा रही है और न ही खाद दी जा रही है। उलटा लगातार अन्नदाता को लाठियों से पीटा जा रहा है। हर साल खाद की किल्लत करके ब्लैक में खाद बेची जाती है। उन्होंने भाजपा सरकार द्वारा किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध न करवाने के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी वैसे तो किसान हितैषी होने का नाटक करती है लेकिन वास्तव में हमेशा से किसान विरोधी रही है। किसानों को कैसे प्रताड़ित करे, उसे कैसे लाइन में खड़ा रखे और कैसे किसान अपने खेत में न जा सके, कैसे किसानों को आर्थिक नुकसान पहुंचा सके उसके लिए हर संभव प्रयास करती है। आज हालत यह है कि खाद ब्लैक में खरीदना हो तो कोई कमी नहीं है लेकिन किसानों को मिल नहीं रही। किसान को आर्थिक रूप से कैसे कमजोर किया जाए उसके लिए बीजेपी सरकार ने खाद के बैग का वजन भी कम कर दिया, कीमत भी बढ़ा दी और किल्लत भी कर दी। उन्होंने कहा कि एक तो किसानों को खाद कम मिल रही है उपर से किसानों को खाद के साथ नैनो यूरिया, सल्फर, जिंक समेत अन्य सामान भी जबरदस्ती बेचा जा रहा है।

दिल्ली में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एरोसिटी में रेस्टोरेंट्स और फूड आउटलेट्स को 24 घंटे संचालन की अनुमति

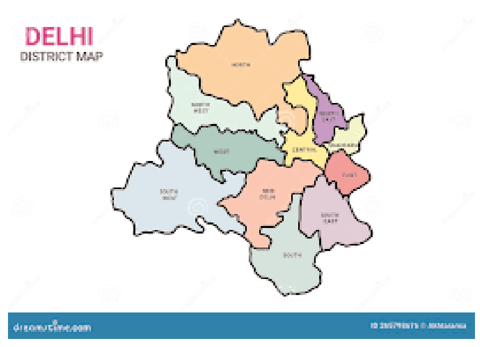

30 अक्टूबर, नई दिल्ली दिल्ली में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एरोसिटी में फूड आउटलेट्स और रेस्टोरेंट्स को 24 घंटे संचालन की अनुमति दी जाएगी। अब दिल्ली एयरपोर्ट के पास एयरोसिटी में रेस्टोरेंट-फूड आउटलेट्स 24 घंटे खुले रहेंगे। प्रस्ताव को सीएम आतिशी से मंजूरी मिल गई है। यह कदम दिल्ली के राजस्व को बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया जा रहा है। वर्तमान में, दिल्ली, एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। ऐसे में यहाँ राजस्व बढ़ाने की बहुत सी संभावनाएं है और इस निर्णय के बाद लाइसेंस फीस के जरिये राजस्व में वृद्धि देखने को मिलेगी। इस बाबत प्रस्ताव दिया गया था कि दिल्ली एयरपोर्ट के पास एरोसिटी में स्थित फूड आउटलेट्स और रेस्टोरेंट को 24 घंटे खुला रखने की अनुमति दी जाए, जिससे सरकार का राजस्व बढ़ सके। बता दे कि, गुरुग्राम में रेस्तरां को अतिरिक्त शुल्क के बदले देर तक खुला रखने की अनुमति है, जिससे वहां का राजस्व बढ़ता है। साथ ही एयरोसिटी में मौजूदा कुछ 4-स्टार और उससे ऊपर के होटल पहले से ही 24 घंटे खुले रहते हैं। इसी तर्ज पर राजस्व बढ़ाने के लिए दिल्ली एयरपोर्ट स्थित एयरोसिटी में फूड आउटलेट्स - रेस्टोरेंट्स को 24 घंटे खुला रखने की तैयारी चल रही है। एरोसिटी क्षेत्र में स्थित रेस्टोरेंट्स को 24 घंटे खुला रखने और 24७७ संचालन से न केवल पर्यटकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी, बल्कि सरकार के राजस्व में भी वृद्धि होगी। ऐसे में एरोसिटी के रेस्टोरेंट्स को 24 घंटे खुला रखने की अनुमति दी जाए, इस प्रस्ताव की सीएम आतिशी से मंजूरी मिल गई है।

दिल्ली में लोग अपनी सहूलियत के अनुसार किसी भी सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में करवा सकेंगे प्रॉपर्टी का रजिस्ट्रेशन

सीएम आतिशी ने 'एनी वेयर रजिस्ट्रेशन' पॉलिसी को दी मंजूरी

30 अक्टूबर, नई दिल्ली दिल्ली में अब लोग अपनी सहूलियत के अनुसार किसी भी सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में प्रॉपर्टी का रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे। इस बाबत सीएम आतिशी ने 'एनी वेयर रजिस्ट्रेशन' पॉलिसी को मंजूरी दे दी है। इसके तहत लोगों को रजिस्ट्री के लिए किसी निश्चित सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में जाने की बाध्यता की खत्म हो जाएगी और लोग अपनी सुविधानुसार दिल्ली के 22 सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में से किसी में भी ऑनलाइन अपॉइंटमेंट ले सकेंगे। बता दे कि, दिल्ली में प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख़्त के लिए लोगों को सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में जाना होता है। वहाँ प्रॉपर्टी की खरीद बीच हो या किसी अन्य तरीको से प्रॉपर्टी को रजिस्टर्ड करवाना हो तो सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में जाना होता है। अक्सर सब-रजिस्ट्रार ऑफिस को लेकर कई प्रकार की शिकायते सामने आती है। कि कई सब-रजिस्ट्रार ऑफिस ऐसे है जहां लंबी लाइनें होती है। जहां एक अपॉइंटमेंट बुक करने में लंबा समय लग जाता है। और कई सब-रजिस्ट्रार ऑफिस ऐसे है जहां ज्यादा भीड़ नहीं होती है। सीएम आतिशी ने कहा कि, इन समस्याओं को हल करने के लिए एक नई पॉलिसी 'एनी वेयर रजिस्ट्रेशन' पॉलिसी की शुरूआत की जा रही है। इस पॉलिसी के तहत लोगों को अगर प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री करवानी है तो वे दिल्ली के किसी भी सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में जा सकते है। अब लोगों को प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन के लिए केवल किसी एक सब-रजिस्ट्रार ऑफिस तक सीमित नहीं रहना होगा। उन्होंने कहा कि, दिल्ली के सभी सब रजिस्ट्रार अब जॉइंट- सब रजिस्ट्रार के रूप में काम करेंगे और उनका कार्यक्षेत्र पूरी दिल्ली में होगा। तो अगर दिल्ली में रहने वाले किसी भी व्यक्ति को सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में अपनी प्रॉपर्टी रजिस्टर करवानी है तो वो दिल्ली के 22 सब-रजिस्ट्रार ऑफिस में से किसी में भी ऑनलाइन अपॉइंटमेंट ले सकते है।

दिल्ली में छठ महापर्व पर होगा सार्वजनिक अवकाश

सीएम आतिशी ने दिल्ली में छठ महापर्व के दिन अवकाश की घोषणा की

01 नवंबर, नई दिल्ली। में छठ महापर्व पर सार्वजनिक अवकाश रहेगा। शुक्रवार को सीएम आतिशी ने छठ महापर्व पर अवकाश की घोषणा करते हुए कहा कि, सभी पूर्वांचली भाई-बहन धूमधाम से छठ महापर्व मना सके इसलिए 7 नवम्बर को दिल्ली में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। सीएम आतिशी ने इस बाबत आदेश जारी करते हुए कहा कि, छठ पूजा दिल्ली के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। ऐसे में दिल्ली सरकार ने "छठ पूजा" के अवसर पर 07 नवंबर, 2024 को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का निर्णय लिया है। सीएम आतिशी ने अपने एक्स(ट्विटर) हैंडल से ट्वीट करते हुए कहा कि, "मुझे यह बताते हुए खुशी है कि दिल्ली सरकार ने फैसला लिया है कि 7 नवम्बर को छठ के त्यौहार की छुट्टी होगी, ताकि सभी पूर्वांचली भाई-बहन धूम-धाम से छठ का त्यौहार मना सकें।

दिल्ली की बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए सीधे तौर पर भाजपा शासित केंद्र सरकार जिम्मेदार है : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली। 1 नवंबर 2024 दिल्ली सचिवालय में हुई एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, कि पिछले कुछ महीनो से दिल्ली में कानून व्यवस्था की जो बदतर हालात है, जिस प्रकार से खुले आम गैंगस्टरों द्वारा कार शोरूम पर गोलियां चलाई गई, मिठाई की दुकान में घुसकर गोलियां चलाई गई, होटल के मालिक पर गोलियां चलाई गई, सरे आम लोगों पर गोलियां चलाई जा रही है, फिरौती की रकम मांगी जा रही है, लोगों की हत्याएं की जा रही हैं, इस प्रकार की स्थिति दिल्ली में पहले कभी नहीं रही है कबीते कल दिवाली की रात हुई एक बेहद ही दर्दनाक घटना की जानकारी पत्रकारों के साथ साझा करते हुए उन्होंने कहा, कि जब पूरी दिल्ली धूमधाम से दीपावली मना रही थी, दिल्ली के शाहदरा इलाके में कुछ बदमाशों ने एक परिवार पर हमला किया और उस परिवार के दो व्यक्तियों की हत्या कर दी और एक लगभग 10 वर्ष के छोटे बच्चे को भी गोली मार दी, जिसकी हालत अभी गंभीर बनी हुई है क उन्होंने कहा की जो कानून की बदतर हालत पिछले कुछ महीनो से दिल्ली में देखने को मिल रही है, इस प्रकार की परिस्थितियां हमने दिल्ली में कभी नहीं देखी थी। 2 दिन पहले एक अंग्रेजी अखबार के फ्रंट पेज पर छपी एक खबर का हवाला देते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, कि इस अखबार में साफ तौर पर यह लिखा गया है, कि दिल्ली में लॉरेंस बिश्नोई और भाऊ गैंग पहले से ही एक्टिव थे, एक तीसरा गैंग और दिल्ली में एक्टिव हो गया है क उन्होंने कहा, कि जिस प्रकार से दिल्ली में एक के बाद एक गैंग एक्टिव हो रहे हैं, इस प्रकार की परिस्थितियां आज से पहले केवल मुंबई जैसे शहरों में देखी गई थी कउन्होंने कहा कि हम सब ने अक्सर यह सुना होगा, कि मुंबई में फलां म्यूजिक डायरेक्टर को फिरौती की रकम के लिए धमकी मिली, फलां बिल्डर को फिरौती की रकम के लिए धमकी मिली और अक्सर इस प्रकार की गोलीबारी और हत्याओं की घटनाएं मुंबई में देखी जाती थी कपरंतु अब वही स्थिति दिल्ली की सड़कों पर खुलेआम देखने को मिल रही है क सौरभ भारद्वाज ने कहा, कि दिल्ली में कानून व्यवस्था सीधे तौर पर केंद्र सरकार के अधीन आती है कउन्होंने कहा कि दिल्ली में कानून की बिगड़ती हालत के लिए भाजपा शासित केंद्र सरकार को जवाब देना होगा कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा, कि जिन गैंग्स के सरगना जेल में बंद है, उसके बावजूद भी जेल में बैठकर वह पूरे देश भर में किस प्रकार से अपने गैंग को चल पा रहे हैं? किस प्रकार से दिल्ली जैसी गोलीबारी और हत्या की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं? यह दिल्ली की कानून व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार के ढीले रवैया का परिणाम है कउन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने जानबूझकर दिल्ली की कानून व्यवस्था को इतना लचर बना दिया है, कि बेखौफ होकर दिल्ली की सड़कों पर गैंगस्टर गोलियां चला रहे हैं और लोगों की हत्या कर रहे हैं कउन्होंने कहा कि आज दिल्ली की जनता दिल्ली की कानून व्यवस्था को बिगाड़ने के लिए केंद्र में बैठी भाजपा सरकार से सवाल पूछ रही है और इस सवाल का जवाब केंद्र सरकार को देना पड़ेगा । एक बेहद ही शर्मसार करने वाली खबर पत्रकारों के साथ साझा करते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया, कि आज दिल्ली की कानून व्यवस्था इतनी खराब हो चुकी है, कि फ्रांस के राजदूत जो दिल्ली के बाजार में घूमने के लिए गए थे, उनका मोबाइल चोरी कर लिया गया कउन्होंने कहा कि यह पूरे देश के लिए बेहद ही शर्मनाक खबर है, कि विदेश के एक राजदूत का फोन दिल्ली की सड़कों पर चोरी कर लिया गया कउन्होंने कहा कि जब वह राजदूत अपने देश वापस लौट कर जाएगा और यह खबर अपने देश में बताया तो पश्चिमी देशों में हमारे भारत की क्या इज्जत रहेगी कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, कि आज दिल्ली में लोग दहशत में जी रहे हैं क राजेंद्र नगर इलाके में जिस कार शोरूम पर बदमाशों ने गोलियां चलाई थी, उनका उदाहरण देते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया, कि जब वह स्थानीय विधायक दुर्गेश पाठक के साथ शोरूम के मालिकों से मिलने पहुंचे, तो पता चला कि उन पांचो पार्टनर्स का पूरा परिवार वहां मौजूद था और वह दहशत में थे, कि ना जाने अब कहां से गोलियां चल जाएगी कउन सभी को अपनी जान का खतरा बना हुआ था कउन्होंने कहा की कानून व्यवस्था की इतनी बुरी हालत है, कि इतनी बड़ी घटना हो जाने के बावजूद, बार-बार पुलिस को शिकायत करने के बावजूद उनकी कोई मदद नहीं की जा रही थी कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, कि आज से पहले आप दिल्ली के पॉश इलाकों में सामान्य तौर पर महिलाओं को सुबह-सुबह मॉर्निंग वॉक पर हाथ में फोन लेकर घूमते हुए देख सकते थे, बाजारों में खरीदारी करते हुए हाथ में फोन लेकर घूमते हुए देख सकते थे क परंतु आज दिल्ली में फोन चोरी की, गले की चेन स्नेचिंग की घटनाएं इतनी आम हो गई हैं, कि महिलाएं घर से बाहर निकलने में भी डरती हैं, मॉर्निंग वॉक पर जाने में भी डरती हैं क उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था दिल्ली में इतनी खराब हो चुकी है, कि लोग बाग फोन चोरी और चेन स्नेचिंग की कंप्लेंट करने के लिए भी पुलिस थाने जाना पसंद नहीं करते हैं कअपने ही विधानसभा क्षेत्र की कुछ घटनाओं का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि लोगों ने सीसीटीवी कैमरा की फुटेज तक निकाल कर पुलिस को सौंप दी और फुटेज में चोरी करने वाले व्यक्ति का पता भी चल गया, उसके बावजूद भी पुलिस किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं करती, यही कारण है कि लोगों ने अब चोरी की कंप्लेंट लिखाने के लिए पुलिस के पास जाना ही छोड़ दिया । मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में कानून की इतनी खराब हालत हो चुकी है, परंतु भाजपा शासित केंद्र सरकार इस पर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है क उन्होंने कहा चाहे आप भाजपा के सांसदों से पूछ लो, चाहे आप भाजपा के मंत्रियों से पूछ लो कोई कुछ बोलने को या मिलने को तैयार ही नहीं है कउपराज्यपाल महोदय पर प्रश्न उठाते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, कि उनको अपना जो काम है, उसके अलावा सब कुछ आता है कउन्होंने कहा कि दिल्ली के सतबड़ी इलाके में उपराज्यपाल महोदय की अनुमति से गैर कानूनी तरीके से 1100 पेड़ काट दिए गए कउपराज्यपाल महोदय को पेड़ को काटने की परमिशन कहां से लेनी है यह नहीं पता, परंतु जो काम उनके नहीं है, उन सभी कामों के बारे में उनको सब कुछ पता होता है कउन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी दिल्ली की जनता से गुहार लगा रही है, कि एक बार दिल्ली की सत्ता संभालने का मौका उनको दिया जाए कउन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने आपको एक काम दिल्ली के कानून व्यवस्था का सौंपा था जब आप उस काम को ही ठीक प्रकार से नहीं निभा पा रहे हैं, तो दिल्ली की सत्ता को कैसे चला पाओगे? उन्होंने कहा कि यही कारण है कि पिछले 27 साल से दिल्ली की जनता ने भारतीय जनता पार्टी को दिल्ली की सत्ता नहीं सौंपी है।

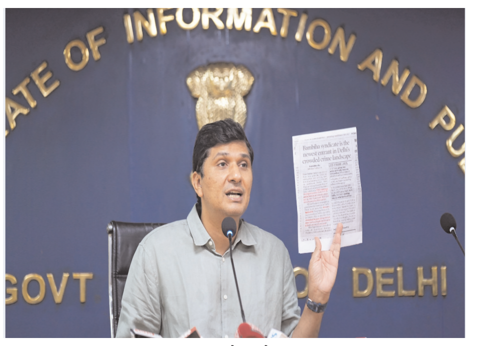

गंगा स्नान से लौट रहे मां बेटे को पिकअप ने मारी टक्कर, मां की मौत

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। बुधवार को गंगा स्नान कर लौट रहे बाइक सवार मां बेटे को पीछे से आई तेज रफ्तार पिकअप ने जोरदार टक्कर मार दी जिसमें बाइक पर बैठी मासूम घायल हो गई तथा इलाज के दौरान मां की मृत्यु हो गई, बता दें कि संभल के अचौड़ा कम्भोह क्षेत्र के निवासी हैदलपुर गांव के रहने वाले सुशील प्रजापति अपनी मासूम बेटी रिद्धि व मां शांति देवी के साथ गंगा स्नान के लिए हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के वोट गंगा धाम पर आए थे, जानकारी के अनुसार स्नान करने के बाद वह बाइक से अपने गांव हैदलपुर जा रहे थे, इसी बीच हसनपुर पुट रोड आत्माराम कुंड के पास पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार है अनियंत्रित दूध लदी पिकअप गाड़ी ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार टक्कर कितनी तेज लगी की बाइक से सुशील उसकी मां शांति और मासूम बच्ची रिद्धि पिकअप की टक्कर से बाइक से उछलकर दूर गिर पड़े, घटना स्थल पर भारी भीड़ लग गई, पिकअप चालक मौके से फरार हो गया और राहागिरो ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने शांति को रेफर कर दिया, घटना की सूचना पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए तथा घायल शांति को मेरठ ले जा रहे थे इसीलिए रास्ते में उसकी मौत हो गई, वहीं परिजन सब को कोतवाली लेकर पहुंचे और पिकअप चालक के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया, वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, इस संबंध में कोतवाल रविंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया गया है, और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, मामले की जांच की जा रही है, भाई शांति के मौत से परिजनों का रो, रो कर बुरा हाल है।

ससुराल जा रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। गुरुवार को ससुराल जा रहे युवक की बाइक में कार ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे युवक की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई, थाना सैद नंगली क्षेत्र के संभल मार्ग पर एक अनियंत्रित तेज रफ्तार कार ने सामने से आ रहे बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी जिसमें कर की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, मौके पर पहुंचे राहागीरों ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया वहीं सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई, बताते चले कि आदमपुर थाना क्षेत्र के साथलपुर निवासी 29 वर्षीय चंद्रपाल सिंह गुरुवार की शाम को बाइक पर सवार होकर कोतवाली हसनपुर के गांव मल्लवाली डगरोली अपनी ससुराल जा रहा था, इसी बीच हसनपुर संभल मार्ग पर भीखनपुर के पास स्थित स्कूल के निकट अचानक सामने से आई एक अनियंत्रित कार ने चंद्रपाल की बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया, वही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां मौके पर पहुंचे परिजन घायल को अमरोहा जिला अस्पताल के लिए लेकर निकले ही थे कि रास्ते में चंद्रपाल की मौत हो गई, हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, बताया जा रहा है कि चंद्रपाल अपने पीछे मासूम एक बेटा में बेटी तथा पत्नी को रोता विलकता छोड़ गया है, इस संबंध में सैद नंगली थाना अध्यक्ष रमेश शहरावत ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, वहीं परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है, वहीं उन्होंने बताया कि हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया जबकि पुलिस ने कार को कब्जे में ले लिया तथा कर चालक की तलाश की जा रही है।

हसनपुर में धूमधाम से मनाया गया दीपावली का त्यौहार

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। गुरुवार को नगर में दीपावली का त्यौहार बड़े ही धूमधाम के साथ शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हो गया, बताते चले कि नगर में दीपावली के चलते भारी भीड़ बाजार में दिखाई पड़ी तथा लोगों ने आतिशबाजी बाजार से आतिशबाजी खरीद कर जमकर आतिशबाजी की, जहां एक और लोगों ने अपने घरों को रंग बिरंगी झालरों व दीपको से सजाया वही रंगोली भी बनाई तथा दीपावली पर लोगों ने एक दूसरे को मिठाई एवं गिफ्ट भी आदान-प्रदान किया, तथा जमकर आतिशबाजी की, उधर नगर के राजपूत कॉलोनी ग्रीन सिटी मार्ग पर स्थित शिवसेना के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश यादव ने अपने परिवार सहित दीपावली का त्यौहार मनाया और जमकर पटाखे छोड़े वहीं नगर के अन्य व्यापारियों ने भी तथा जन मानस में बड़े ही प्रेम पूर्वक दीपावली पर मां लक्ष्मी का पूजन किया और घर में सुख शांति समृद्धि की कामना की, तथा आज शनिवार को गोवर्धन का त्यौहार मनाया जाएगा।

बलिदानियों की याद में रोशनी से नहाया भीम सरोवर

गोरखपुर, 1 नवंबर। दीपावली के अगले दिन शुक्रवार को शहीदों की याद में गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित भीम सरोवर रोशनी से नहा उठा। यूं लगा मानो दीपकों की लौ देश के लिए प्राणों को न्योछावर कर देने वाले बलिदानियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर रही हो। मंदिर के भीम सरोवर क्षेत्र में पहला दीपक मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने प्रज्वलित किया और इसके बाद मुक्ताकाशी मंच पर अमर बलिदानियों के चित्र पर पुष्पार्चन कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। अवसर था शुक्रवार देर शाम गोरखनाथ मंदिर परिसर में 'एक दीया शहीदों के नाम' कार्यक्रम का। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भीम सरोवर के समीप दीप जलाकर और मुक्ताकाशी मंच पर शहीदों के चित्र पर पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किए जाने के साथ ही परिसर 11000 दीपों की आभा से जगमग हो उठा। भोजपुरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (भाई) की तरफ से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रज्ज्वलित दीयों की जगमग अद्भुत लग रही थी। दीपों के प्रज्ज्वलित होने के बाद मंदिर परिसर के मुक्ताकाशी मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के समक्ष देशभक्ति और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद पर केंद्रित गीतों, नृत्य की प्रस्तुतियों ने जोश का संचार कर दिया। डॉ. राकेश श्रीवास्तव के संयोजन में शहीदों की याद में कार्यक्रम का शुभारम्भ संदीप पांडेय की टीम ने गणेश वंदना से की। तत्पश्चात श्रुति कसौधन ने ह्यऐ मेरे वतन के लोगोंह्ण की प्रस्तुति से पूरे माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। सात्विका ने बहुत ही भावपूर्ण देशभक्ति नृत्य प्रस्तुत किया। सारिका राय के निर्देशन में बच्चों द्वारा उत्कृष्ट देशभक्ति समूह नृत्य की प्रस्तुति की गई। वीर सेन सूफी द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीत पर सभी लोग झूम उठे। विकास मिश्रा की भजन प्रस्तुति भी सराहनीय रही। संचालन शिवेंद्र पांडेय ने किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश श्रीवास्तव, संरक्षक ध्रुव श्रीवास्तव, सुरेश श्रीवास्तव, राकेश मोहन एवं पूनम सिंह द्वारा भगवान राम की प्रतिमा भेंट की गई।

नाबालिक छात्र के साथ युवक ने किया कुकर्म, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। सुबह से लापता युवक को परीजन ढूंढते रहे लेकिन कोई सुराग न मिलने पर शाम को परिजनों ने छात्र के गायब होने की सूचना पुलिस को दी और रिपोर्ट दर्ज कराई तथा पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए नाबालिक छात्र के साथ एक चाय की दुकान में एक युवक को नग्न अवस्था में बरामद कर लिया, बताते चलें कि 30 अक्टूबर को 13 साल का एक छात्र सुबह से ही गायब था तथा परिजनों ने काफी तलाश किया शाम तक न लौटने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी और वही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रहरा संभल बायपास मार्ग स्थित एक चाय की दुकान में छात्र को दो युवकों के साथ आपत्तिजनक हालत में बरामद कर लिया, पुलिस में आरोपीय समेत दो लोगों को हिरासत में लिया है वही आरोप है कि आरोपी युवक ने पुलिस के सामने ही पीड़ित छात्र व उसके परिवार वालों को जान से मारने की धमकी दी है, आरोपी युवक एक नेता का बेटा बताया जा रहा है इस मामले में पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत ने बताया कि पीड़ित छात्र के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है उन्होंने बताया कि परिजनों का आरोप है कि छात्र को युवक ने बंदी बनाकर अपने मकान के पास स्थित एक दुकान में ले जाकर शारीरिक शोषण किया है मामला गंभीर है तथा पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है आरोपियों को किसी भी कीमत पर बक्सा नहीं जाएगा ।

सरस्वती पब्लिक स्कूल हसनपुर एवं गजरौला में दीपावली पर बच्चों ने बनाई रंगोली

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। हसनपुर नगर के राजपूत कॉलोनी के निकट स्थित सरस्वती पब्लिक स्कूल एव गजरौला में अहरौला तेजवान रोड पर स्थित एसपीएस इंग्लिश मीडियम स्कूल में दीपावली के पावन पर्व पर 29 अक्टूबर को दीपावली उत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया, जिसमें दोनों ही विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगोली, दीप सजा, मोमबत्ती कंडील डेकोरेशन प्रतियोगिता में बढ़ चढ़ कर भाग लिया तथा दोनों ही विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सुंदर-सुंदर रंगोली, दीप, मोमबत्ती, कंडील आदि बनाए गए निर्णायक मंडल द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया, इस अवसर पर विद्यालय के मैनेजर विनोद कुमार ने सभी छात्र-छात्राओं को दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित की तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की इस मौके पर प्रधानाचार्य श्रीमती कंचन गुप्ता, गजरौला विद्यालय की प्रधानाचार्य किरण शर्मा एवं दोनों ही विद्यालयों का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

बुंदेलखंड को एग्रो प्रोडक्शन का हब बनाने के लिए योगी सरकार का जीआई टैगिंग पर खास जोर

01 नवम्बर, झांसी। बुन्देलखण्ड में कृषि और बागवानी को प्रोत्साहित कर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार यहां के किसानों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की कवायद कर रही है। योगी सरकार और नाबार्ड के संयुक्त प्रयासों से झांसी के एफपीओ को कठिया गेंहू का जीआई टैग हासिल हुआ है। अब झांसी जिले के ही एक एफपीओ के माध्यम से अदरख को जीआई टैग दिलाने के लिए आवेदन दाखिल किया गया है। उम्मीद है कि आने वाले कुछ समय में जीआई टैग मिल जाने के बाद यहां के अदरख उत्पादकों को बेहतर बाजार और मूल्य मिलने के साथ ही अदरख के उत्पादन में भी बढोतरी होगी। जीआई टैग यानि जियोग्राफिकल इंडिकेशन टैग किसी क्षेत्र विशेष के खास उत्पादन या उपज को मान्यता प्रदान करता है। झांसी के एफपीओ के माध्यम से नाबार्ड और उद्यान विभाग ने प्रस्ताव तैयार कराकर आवेदन दाखिल कराया है। जीआई टैग का प्रस्ताव विशेषज्ञ की मदद से तैयार किया गया है। आवेदन का परीक्षण होने के बाद इसे जीआई टैग मिल जाएगा और कठिया गेहूं की तरह अदरख की पहचान भी बुन्देलखंड क्षेत्र की एक बड़ी उपलब्धि साबित होगी। उत्पादन की गुणवत्ता के मानकीकरण के कारण यहां के उत्पाद को बेहतर मूल्य हासिल होगा और इसकी डिमांड बढ़ जाएगी। बरुआसागर और आसपास के क्षेत्रों में काफी संख्या में किसान अदरख की खेती करते रहे हैं। इनकी संख्या को बढाने पर भी सरकार का जोर है। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक भूपेश पाल ने बताया कि झांसी के एक एफपीओ के माध्यम से अदरख के जीआई टैग के लिए आवेदन किया गया है। नाबार्ड और उद्यान विभाग मिलकर इस काम में मदद प्रदान कर रहा है। जीआई का प्रस्ताव तैयार करने के लिए विशेषज्ञ की मदद ली गई है। अदरख को जीआई टैगिंग दिलाने के लिए आवेदन दाखिल कर दिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय स्पधाओं के लिए रिंका को सरकार देगी आर्थिक मदद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलीं अंतरराष्ट्रीय किक बॉक्सर रिंका सिंह चौधरी

गोरखपुर, 1 नवंबर। गत दो माह में विश्व कप और एशियन किक बॉक्सिंग में सिल्वर मेडल जीतने वाली गोरखपुर की रिंका सिंह चौधरी को आगामी अंतरराष्ट्रीय स्पधाओं के लिए योगी सरकार आर्थिक मदद देगी। गोरखनाथ मंदिर में रिंका से मुलाकात करने के बाद इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय किक बॉक्सर को भरोसा दिया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए सरकार धन की कमी आड़े नहीं आने देगी। गोरखपुर के खोराबार क्षेत्र स्थित गौरीमंगलपुर निवासी रिंका सिंह चौधरी ने 24 से 29 सितंबर तक उज्बेकिस्तान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय किक बॉक्सिंग विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता। साथ ही उन्होंने कम्बोडिया में 6 से 13 अक्टूबर में आयोजित एशियन किक बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भी सिल्वर मेडल अपने नाम किया। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपने जीते इन दोनों मेडल के साथ रिंका सिंह चौधरी ने शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने रिंका के मेडल देखकर खूब उत्साह बढ़ाया और शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी। मुलाकात के दौरान इस अंतरराष्ट्रीय किक बॉक्सर ने आगामी इंटरनेशल टूनार्मेंट्स के लिए आर्थिक दिक्कत का जिक्र कर सहायता का अनुरोध किया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन पैसे की कमी से बाधित नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि रिंका की पूरी मदद की जाए। सीएम योगी ने रिंका को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद देते हुए यह मंगलकामना की कि आगामी अंतरराष्ट्रीय स्पधाओं में वह गोल्ड मेडल जीतें।

जन समस्याओं के प्रति बनें संवेदनशील, तुरंत कराएं समाधानः मुख्यमंत्री

गोरखपुर, 1 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सबकी समस्या सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। समस्या से जुड़ी शिकायत पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक समाधान सुनिश्चित कराएं। समस्या लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, घबराइए मत। सरकार हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी। गुरुवार को वनटांगियों के साथ दीपावली मनाने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक कर उनकी समस्याओं को सुना। इत्मीनान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए। पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग-अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए।

अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों व भू माफिया के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए। गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं।

जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। इस दौरान यह निर्देश भी दिया कि अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि जिन लोगों के पास आयुष्मान कार्ड है, उन्हें इलाज में किसी तरह की दिक्कत न होने आए। साथ ही जो पात्र लोग किन्हीं कारणों से वंचित हैं, उनके आयुष्मान कार्ड बनवाए जाएं।

›› गोसेवा में रमे मुख्यमंत्री, गोवंश को दुलारकर खिलाया गुड़

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह सीएम योगी की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। सीएम योगी जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। शुक्रवार सुबह वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में सीएम योगी ने चारों तरफ भ्रमण करते हुए श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नामों से गोवंश को पुकारा। उनकी आवाज इन गोवंश के लिए जानी पहचानी है। प्यार भरी पुकार सुनते ही कई गोवंश दौड़ते-मचलते हुए उनके पास आ गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया।

डॉ. बिबेक देबरॉय का जाना देश के लिए अपूरणीय क्षति : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 01 नवम्बर। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी) के चेयरमैन और प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. बिबेक देबरॉय के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति और उनके परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर डॉ. बिबेक देबरॉय को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है। डॉ. देबरॉय ने देश की आर्थिक नीतियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया था और उनके मार्गदर्शन में कई आर्थिक सुधार लागू हुए थे। उनके निधन से न केवल आर्थिक जगत बल्कि पूरे देश ने एक विद्वान और समर्पित अर्थशास्त्री को खो दिया है। बता दें कि डॉ. बिबेक देबरॉय का 69 साल की उम्र में निधन हो गया। बिबेक देबरॉय का निधन शुक्रवार सुबह 7 बजे दिल्ली एम्स में हुआ, वह आंत संबंधित बीमारी से जूझ रहे थे। बिबेक देबरॉय पद्म श्री अवॉर्ड से सम्मानित थे। पीएम मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष बनने से पहले देबरॉय पुणे में गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स (जीआईपीई) के चांसलर भी रहे।

मार्च पास्ट कर पुलिस ने अराजक तत्वों को दिया कड़ा संदेश

कुशीनगर। तुर्कपट्टी पुलिस ने बुधवार की सायं क्षेत्र के राजापाकड़, गुरवलिया, तुर्कपट्टी, उजारनाथ आदि बाजारों में आगामी दिवाली, भैयादूज, छठ त्योहार के दृष्टिगत मार्च पास्ट कर अराजक तत्वों को कड़ा संदेश दिया। एसपी संतोष कुमार मिश्र के निर्देश पर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थानाध्यक्ष संजय कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने मार्च पास्ट किया। इसके उपरांत बरवाराजापाकड़ पुलिस बूथ के सामने कसया-तमकुहीरोड मार्ग पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की गई। थानाध्यक्ष व संजय कुमार ने शांति और कानून व्यवस्था को बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि अराजक तत्व त्योहार पर माहौल खराब करने की कोशिश करते हैं, अमन, शांति सहित सौहार्द को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते हैं तो उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। किसी भी संदिग्ध वस्तु और संदिग्ध व्यक्ति को देखे जाने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। त्योहार के दौरान पुलिसकर्मी सादे वेश में तैनात रहेंगे। इसके लिए हल्कावार व बीटवार नोडल की तैनाती की गई है। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी न करें। पटाखे फोड़ने में सावधानी बरतें। यातायात नियमों का पालन करें व बच्चों को वाहन न चलाने दें।

जिला की मंडियों में धान व बाजरा की खरीद जारी : उपायुक्त

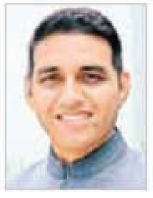
उपायुक्त अजय कुमार

रोहतक, अक्तूबर : जिला की मंडियों में धान व बाजरा की खरीद जारी है। उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि जिला की मंडियों में अब तक 11375.8 मीट्रिक टन धान तथा 4711.35 मीट्रिक टन बाजरा की खरीद की गई है। उन्होंने बताया कि रोहतक, महम व सांपला मंडियों में 11375.8 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है, जबकि अभी तक खरीद एजेंसियों द्वारा 4711.35 मीट्रिक टन बाजरा की खरीद भी की गई है। उपायुक्त ने किसानों का आह्वान किया कि वे धान की फसल की कटाई के उपरांत फसल अवशेषों को आग न लगाएं। फसल अवशेषों को जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है तथा पशुओं के लिए चारे की कमी होती है। किसान फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करें।

पुलिस की नाक तले लूटे 3 .39 लाख

सिरसा, अक्तूबर : जगदंबा पेपर मिल के साथ लगते रंगड़ी रोड पर बाइक सवार युवकों ने मारपीट कर कंपनी कर्मचारी से नगदी भरा बैग छीन लिया और भाग गए। पुलिस को दिए बयानों में जसवीर सिंह निवासी पुरानी हाउसिंग बोर्ड ने बताया कि वह रेडियंट कैश मैनेजमेंट कंपनी में काम करता है। उसने बताया कि कंपनी का बाटा, मीशो, एमाजोन कंपनियों से कैश एकत्रित करने का अनुबंध है। रेडियंट कैश मैनेजमेंट कंपनी द्वारा पांच जगह से कैश इकट्ठा किया जाता है और कैश एकत्रित कर रोड़ी बाजार स्थित बैंक में कैश जमा करवाया जाता है। 29 अक्तूबर 2024 को वह बाटा कंपनी रोड़ी बाजार सिरसा के स्टोर से 10700 रूपए, मीशो कंपनी के दो स्टोरों से 87957 रुपए व 27564 रूपए व एमाजोन के दो स्टोरों से 19470 रुपए व 194257 रूपए कुल 339948 रूपए एकत्रित कर अपने बैग में डालकर अपने मोटरसाईकिल पर रंगड़ी रोड होते हुए शहर की ओर आ रहा था। इसी दौरान रंगड़ी रोड पर बाइक सवार तीन युवकों ने उसे रोक लिया। युवकों के हाथ में हॉकी व लकड़ी की फट्टियां थी। दो युवकों ने उसके साथ मारपीट की और एक ने बैग छीन लिया और बाइक लेकर भाग गए। उसने काफी शोर भी मचाया, लेकिन जब तक आसपास के लोग आते आरोपी भागने में कामयाब हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

आंगनवाड़ी केंद्र से सिलेंडर व चूल्हा चोरी

सिरसा, अक्तूबर : गांव ढाणी रामपुरा में चोरों ने आंगनवाड़ी केंद्र का ताला तोड़कर वहां से गैस सिलेंडर व चूल्हा चोरी कर लिया। पुलिस को दिए बयानों में शिमला बाई ने बताया कि बीती 26 अक्तूबर को तय समय के बाद वे कमरे को बंदकर घर चले गए । देर रात्रि को चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर उसमें रखा गैस सिलेंडर चोरी कर लिया। सुबह उन्हें घटना का पता चला। उन्होंने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से इस बारे भी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा, जिसपर पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

कोर्ट पार्किंग से बाइक चुराई

सिरसा, अक्तूबर : कोर्ट परिसर की पार्किंग से चोर बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस को दिए बयानों में हरविंद्र कुमार निवासी नानकपुर ने बताया कि वह बीती 29 अक्तूबर को कोर्ट में किसी काम से आया था। पार्किंग में बाइक खड़ी कर वह काम से चला गया। कुछ देर बाद आया तो बाइक नहीं मिली। उसने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से काफी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा, जिसपर पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला लापता

सिरसा, अक्तूबर : गांव सेनपाल से एक महिला संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। पुलिस को दिए बयानों में महिला के देवर ने बताया कि वह मजदूरी करता है। उसने बताया कि बीती 21 अक्तूबर की सुबह वह काम पर चला गया। घर में उसकी भाभी व बच्चे थे। उसकी भाभी पड़ोस में जाने की बात कहकर घर से गई थी, लेकिन वापस घर नहीं लौटी। उन्होंने अपने स्तर पर आस पड़ोस व रिश्तेदारी में काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा, जिसपर पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्जकर आगामी कार्रवाई शुरू की है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण बेदी दिखाएंगे रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी

सिरसा, अक्तूबर : देश के प्रथम गृहमंत्री लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती कल 31 अक्तूबर को सुबह 7 बजे स्थानीय शहीद भगत सिंह स्टेडियम से रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सैकड़ों की संख्या में युवा दौड़ लगाकर राष्ट्रीय एकता का संदेश देंगे। रन फॉर यूनिटी के दौरान वाहनों का आवागमन नहीं होगा। नगराधीश पारस भगोरिया ने बताया कि यूनिटी कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि रन फॉर यूनिटी में हजारों की संख्या में युवाओं के अलावा हर वर्ग से नागरिक भाग लेंगे। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शामिल होंगे और हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस दौरान मुख्यातिथि कृष्ण कुमार बेदी उपस्थित जनों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ भी दिलवाएंगे। उन्होंने विशेषकर युवाओं से रन फॉर यूनिटी में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया है।

प्रदूषण मुक्त दीपावली बनाने का लें संकल्प : गोयल

अक्तूबर: अखिल भारतीय सेवा संघ के राष्ट्रीय संयोजक डा. इंद्र गोयल ने संघ की सभी शाखाओं का आह्वान किया है कि इस वर्ष दीवाली प्रदूषण मुक्त मनाएं और पटाखों का कम प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि पटाखों से वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण अधिक होता है इसलिए हमें पटाखों की बजाय अन्य वैकल्पिक साधनों का प्रयोग करना चाहिए। इसके अतिरिक्त लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। डा. गोयल ने कहा कि प्रदूषण के दुष्प्रभाव बहुत गंभीर और व्यापक हो सकते हैं। वायु प्रदूषण से श्वसन समस्याएं, हृदय रोग, फेफड़ों का कैंसर, न्यूरोलॉजिकल समस्याएं और आंखों और त्वचा की समस्याएं उत्पन्न होती हैं। जल प्रदूषण से पानी जनित बीमारियां हैजा, टायफाइड, जलचर जीवों की मृत्यु, जल संसाधनों का नुकसान, खाद्य श्रृंखला में विषाक्तता और मानव स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। ध्वनि प्रदूषण से श्रवण हानि, तनाव और चिंता, नींद की समस्याएं, हृदय रोग, मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है। इसी प्रकार मृदा प्रदूषण से भूमि क्षरण, फसलों की गुणवत्ता में कमी, जल संसाधनों का नुकसान, जैव विविधता की हानि और मानव स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। उपरोक्त दुष्प्रभावों को कम करने के लिए हमें प्रदूषण के स्रोतों को कम करना होगा।

जिला की मंडियों में 47 हजार 259 मीट्रिक टन धान की खरीद

अक्टूबर : उपायुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि जिले में 29 अक्टूबर तक 47 हजार 259 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है, जिसमें फूड सप्लाई द्वारा 9176 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा 27667 मीट्रिक टन तथा एचडब्ल्यूसी द्वारा 10416 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। दहिया ने बताया कि 29 अक्टूबर तक जिला की मंडियों में 47 हजार 259 मीट्रिक टन धान की खरीद हो चुकी है, जिनमें बरवाला मंडी में 12630 मीट्रिक टन, हांसी मंडी में 6232 मीट्रिक टन, खेड़ी जालब मंडी में 1592 मीट्रिक टन, लोहारी राघो मंडी में 2246 मीट्रिक टन, नारनौंद मंडी में 4163 मीट्रिक टन, पाबड़ा मंडी में 572 मीट्रिक टन, सिसाय मंडी में 3004 मीट्रिक टन, उकलाना मंडी में 16659 मीट्रिक टन तथा हिसार मंडी में 161 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। उपायुक्त ने बताया कि जिला में अब तक 38488 मीट्रिक टन धान फसल का उठान किया गया है। फूड सप्लाई द्वारा 7870 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा 21360 मीट्रिक टन तथा एचडब्ल्यूसी द्वारा 9258 मीट्रिक टन धान फसल का उठान किया गया है। इसी प्रकार जिले में अब तक 12185 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद हुई है, जिसमें हैफेड द्वारा 8709 मीट्रिक टन तथा एचडब्ल्यूसी द्वारा 3476 मीट्रिक टन बाजरे की खरीद की गई है।

इन्द्री कपड़ा व्यापारी से रंगदारी मांगने के मामले में एक ओर 5000 का ईनामी बदमाश गिरफतार, दौराने रिमांड अवैध पिस्तौल व रौंद बरामद

करनाल, बिट्टू संधू

करनाल। पुलिस अधीक्षक करनाल श्री मोहित हाण्डा के निर्देशन में जिला पुलिस की क्राइम युनिट सी.आई.ए-01 टीम ने इन्द्री में कपड़ा व्यापारी से रंगदारी मांगने के मामले में एक ओर बड़ी सफलता हासिल की है। टीम द्वारा इन्चार्ज उप निरीक्षक अनिल कुमार की अध्यक्षता में प्राप्त सुचना के आधार पर मामले में 5000 रुपए के ईनामी बदमाश आरोपी..... शुभम पुत्र मेनपाल वासी मुसेपूर थाना इन्द्री, करनाल को इन्द्री के गांव घीड़ क्षेत्र से गिरफतार किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए उप निरीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि थाना इन्द्री में दर्ज मुकदमा नंबर 610 दिनांक 02.10.2024 धारा 308(4), 351(2), 111(3), 111(5) व 61(2) और शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज मामले में पहले दो आरोपीयों को गिरफतार किया जा चुका है, जिनके द्वारा पूछताछ पर उक्त आरोपी के संबंध में खुलासा किया गया था, उनकी टीम निरंतर आरोपी के गिरफतारी के लिए दबिश दे रही थी और दिनांक 28.10.2024 को उप निरीक्षक जयपाल सिंह की अध्यक्षता में कामयाबी उनके हाथ लगी व आरोपी को काबू कर लिया गया। उन्होंने बताया कि दिनांक 29.10.2024 को आरोपी को माननीय अदालत से 01 दिन पुलिस रिमांड पर लिया गया था, जो दौराने रिमांड पूछताछ कर उसके कब्जे से एक अवैध देशी पिस्तौल और एक जिंदा रौंद बरामद किया गया। उन्होंने कहा कि आरोपी द्वारा अपने दो अन्य साथीयों के साथ मिलकर कपड़ा व्यापारी की रेकी की गई थी व उसकी दूकान का विडीयो बनाकर विदेशी नंबरों पर भेजा गया था। जहां से कपड़ा व्यापारी को विडियो भेज लगातार रंगदारी के लिए दबाव बनाया जा रहा था। उन्होंने बताया कि आरोपी पर इसी मामले में 5000 रुपए का ईनाम भी घोषित किया गया था और थाना इन्द्री में दर्ज हत्या के प्रयास के एक अन्य मामले में भी आ

बिना पर्ची-बिना खर्ची जो नौकरी के लिए चुने गए, उन्होंने हमें अपना माना और तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी: मनोहर लाल

केंद्रीय मंत्री व करनाल के सांसद मनोहर लाल ने भाजपा नेता कविंद्र राणा को बनाया सांसद प्रतिनिधि

>> मनोहर लाल बोले- इस जीत का विशेष महत्व, प्रदेश में पहली बार किसी पार्टी की लगातार तीसरी बार सरकार बनी

करनाल, बिटू संधू

करनाल। केंद्रीय मंत्री व करनाल के सांसद मनोहर लाल शुक्रवार को करनाल के अनमोल गार्डन में भारतीय जनता पार्टी के दीपावली मिलन एवं अभिनंदन समारोह में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने पर सभी कार्यकर्ताओं व आमजन का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के पिछले 10 साल के कार्यकाल में बिना पर्ची और बिना खर्ची के जो सरकारी नौकरी में चुने गए, उन्होंने हमें अपना माना और तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने भाजपा नेता कविंद्र राणा को सांसद प्रतिनिधि के रूप में करनाल के लिए नियुक्त किया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष एवं घरौंडा के विधायक हरविंद्र कल्याण, चीफ व्हीप व इंद्री के विधायक रामकुमार कश्यप, नीलोखेड़ी के विधायक भगवानदास कबीरपंथी, करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, असंध के विधायक योगेंद्र राणा व भाजप के जिलाध्यक्ष बृज गुप्ता मौजूद रहे। इस मौके पर विधायक भगवान दास कबीर पंथी, विधायक योगेन्द्र राणा एवं विधायक जगमोहन आनंद ने मौके पर उपस्थित कार्यकताओं को दीवाली की शुभकामनाएं देते हुए अपनी जीत पर आभार जताया केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मैंने हरियाणा की 2.80 करोड़ जनता को अपना परिवार माना। अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की चिंता की। उन्होंने सभी विधायकों व कार्यकताओं को कहा कि हम यदि जनता को अपना मानेंगे तो जनता हमें अपना मानेगी। हमने जनता के लिए काम किए। समाज में कमजोर व्यक्ति के अधिकार को पह?

पूरे प्रदेश में खेतों के रास्तों को किया जाएगा पक्का: कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा

किसान पराली जलाने की बजाए करें, उचित प्रबंधन, पराली खेत में करती है पोषक तत्वों का काम: राणा

>> कृषि मंत्री ने स्वयं हैप्पी सीडर और सुपर सीडर मशीन को खेत में चलाया।
>> करनाल जिला के तरावड़ी में स्थित किसान के फार्म हाउस पर पहुंचे थे कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा

करनाल, बिट्टू संधू

हरियाणा। के कृषि एवं किसान कल्याण एवं पशुपालन मंत्री श्याम सिंह राणा बुधवार को करनाल जिला के तरावड़ी में एक किसान के फार्म हाउस पर पहुंचे। यहां उन्होंने किसान द्वारा किए जा रहे पराली प्रबंधन के कार्य को देखा और स्वयं भी हैप्पी सीडर व सुपर सीडर मशीन को खेत में चलाया। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि किसान के लिए उसके खेत में जाने वाला रास्ता सबसे महत्वपूर्ण होता है, ऐसे में पूरे प्रदेश में खेतों के रास्तों को पक्का किया जाएगा। इस दौरान नीलोखेड़ी के विधायक भगवानदास कबीरपंथी भी उनके साथ रहे। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि पराली प्रबंधन किसान के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी अति आवश्यक है। पराली को यदि खेत में ही मिला दिया जाए तो यह जमीन को पोषक तत्व देती है। इससे जमीन को खाद की भी कम आवश्यकता पड़ती है। इसके साथ-साथ प्रदूषण नहीं होता और पर्यावरण साफ रहता है। ऐसे में किसानों को अधिक से अधिक पराली प्रबंधन करना चाहिए। हरियाणा सरकार पराली प्रबंधन के लिए मशीनों पर सब्सिडी दे रही है। अभी 1 लाख 882 मशीनों पर सब्सिडी दी गई है। आने वाले वर्षों में और अधिक मात्रा में मशीनों पर सब्सिडी दी जाएगी।

स्वच्छ हवा सभी की जरूरत

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि जीवन के लिए जिस प्रकार से भोजन की जरूरत होती है, उसी तरह से स्वच्छ वायु भी सांसों के लिए अति महत्वपूर्ण है। किसान अनाज का उत्पादन करके देशवासियो?

प्रताप पब्लिक स्कूल, तरावड़ी में किया गया हैलोवीन पार्टी का आयोजन

सुखविंदर सोही

करनाल। प्रताप पब्लिक स्कूल, तरावड़ी में 28 अक्तूबर सोमवार को छोटे बच्चों के लिए एक खास हैलोवीन पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने रंग-बिरंगी और डरावनी वेशभूषाओं में आकर हैलोवीन का उत्सव मनाया। पार्टी में बच्चों ने भूत-प्रेत, जादूगर व अन्य डरावने पात्रों के रूप धारण किए और अपनी रचनात्मक क्रियाकलाप का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों के रंगारंग प्रवेश और हास्य-डरावनी गतिविधियों से हुई। विद्यालय के चेयरपर्सन हन्नी चौधरी और निर्देशिका पिथी चौधरी ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा ,कि ऐसे आयोजन बच्चे सामूहिक क्रियाकलाप और आत्मविश्वास को बढ़ावा देते हैं। बच्चों ने हैलोवीन के पारंपरिक खेल "ट्रिक ऑर ट्रीट" का भी आनंद लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य विकास उतरेजा ने बच्चों के प्रयासों की सराहना की और कहा ,कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों के व्यक्तित्व के विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। बच्चों की वेशभूषा और प्रदर्शन ने सभी का मन मोह लिया, और पार्टी का समापन सभी को मिठाइयाँ और उपहार वितरित कर किया गया। इस अवसर पर सभी शिक्षक, कर्मचारी भी मौजूद रहे, जिन्होंने बच्चों के इस उत्सव का भरपूर आनंद लिया।

हरियाणा दिवस पर नशा मुक्त हरियाणा का दिया सन्देश- एनसीबी हरियाणा का अभियान विशेष

फरीदाबाद सुखविंदर सोही

हरियाणा। राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो पुलिस महानिदेशक श्री ओपी सिंह, भापुसे साहब के दिशानिर्देशों एवं मार्गदर्शन और पुलिस अधीक्षक श्रीमती पंखुरी कुमार साहब के नेतृत्व में ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ अशोक कुमार वर्मा प्रतिदिन साइकिल के साधन का प्रयोग करते हुए सड़कों पर लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करते हुए मिलेंगे। वे आज हरियाणा दिवस पर फरीदाबाद की सड़कों पर नशा मुक्त हरियाणा अभियान का सन्देश लेकर निकले हुए थे। साइकिल के आगे नशा मुक्त अभियान से जुड़ी पट्टी पर लिखा है- नशे को कहें न और जीवन को कहें हाँ। नशा होता अच्छा तो माँ कहती खा ले मेरे बच्चा। ब्यूरो का हेल्पलाइन नंबर 9050891508 विशेष रूप से लिखा है। पुलिस का थानेदार जब साइकिल पर निकले तो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र होता है और लोग प्रशंसा करते हैं और कुछ पूछते हैं तब यह अभियान और सार्थक हो जाता है कि पुलिस नशा मुक्त अभियान के लिए कितना कृतसंकल्प है। अनेक स्थानों पर लोगों के साथ चित्र लिए गए और अभियान से जोड़ने का कार्य किया।

परीक्षा सहारण को सम्मानित करते हुए बार एसोसिएशन के पदाधिकारी।

राजस्थान ज्यूडिशियल सर्विस में चयनित होने पर परीक्षा सहारण को बार एसोसिएशन ने किया सम्मानित

ऐलनाबाद, अक्तूबर : आज ऐलनाबाद बार एसोसिएशन द्वारा कोर्ट कॉम्प्लेक्स में अभी हाल ही में राजस्थान ज्यूडिशियल सर्विस में चयनित होने पर परीक्षा सहारण पत्नी स्वर्गीय एडवोकेट रोहित सिहाग को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बार एसोसिएशन के प्रधान बलकार सिंह थिंद ने उपस्थित अधिवक्ताओं को बताया कि विपरीत परिस्थितियों में भी इस बेटी ने परिवार के सपनो को साकार किया और हमारे साथी एडवोकेट रोहित और इलाके का नाम रोशन किया। इस अवसर पर बार के सचिव एवं अन्य पदाधिकारियों ने भी अपने विचार प्रकट किए। अपने साथी को याद करते हुए एडवोकेट रघुवीर जोशन ने बताया कि रोहित बहुत ही हंसमुख और दूसरों की मदद करके खुश होने वाला इंसान था। समारोह के अंत में बार एसोसिएशन द्वारा पौधारोपण किया गया और सभी आए हुए मेहमानों से पौधे लगवाए गए।

एंजल्स पैराडाइज स्कूल में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मनाया दीपावली पर्व

सफीदों, अक्तूबर : नगर की राजीव कालोनी स्थित एंजल्स पैराडाइज प्री स्कूल में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने दीपावली का त्यौहार धूमधाम से मनाया। कार्यक्र म की अध्यक्षता स्कूल चेयरपर्सन सोनिया भारद्वाज ने लक्ष्मी जी की पूजा आरती कर कार्यकर्म की शुरु आत की। बच्चों ने सुंदर-सुंदर रंगोलियां बनाकर व सांस्कृतिक कार्यक्र म प्रस्तुत करके सभी का मन मोह लिया। इस मौके पर बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में चेयरपर्सन सोनिया भारद्वाज ने कहा कि दीवाली को दीपों का पर्व माना जाता है, जो अज्ञानता और नकारात्मकता के अंधकार को दूर करने का प्रतीक है। दीपावली पर घर की सफाई बाहरी के साथ-साथ आंतरिक शुद्धि का भी प्रतीक है, जो आत्मा की पवित्रता को दर्शाता है। माता लक्ष्मी की पूजा केवल भौतिक धन के लिए नहीं, बल्कि आत्मिक समृद्धि और आंतरिक शांति के लिए भी की जाती है। उन्होंने सभी स्टाफ सदस्यों व बच्चों को दीपावली की शुभकामनाएं दी और प्रदूषण रिहत दीपावली मनाने का आह्वान किया।

स्कूल में प्रस्तुति देते में नन्हे-मुन्ने बच्चे।

विद्यार्थियों ने स्वच्छ भारत के सपने को साकार करते हुए प्रदूषण रहित दीपावली मनाने का लिया संकल्प : सुभाष बिश्नोई

प्रतियोगिता में स्कूल के प्रबंध निदेशक सुभाष बिश्नोई व्यंजन का स्वाद चखते हुए।

भूना, अक्तूबर : आदर्श भारती इंटरनैशनल स्कूल में बुधवार को दीपावली का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यार्थियों ने रंगोली बनाकर और सांस्कृतिक कार्यक्र मों में प्रस्तुति देकर मन मोहा। इस मौके पर स्कूल में भव्य कार्यक्र म आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने क्लास सजावट, रंगोली सहित अन्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी दलबीर सिंह की अगुवाई में छात्राओं ने दीप जलाकर पर्व को मनाया। स्कूल के प्रबंध निदेशक सुभाष बिश्नोई व चेयरमैन राजेश खिचड़ के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने स्वच्छ भारत के सपने को साकार करते हुए प्रदूषण रिहत दीपावली मनाने का संकल्प लिया। कक्षा नर्सरी से लेकर 12वीं तक के विद्यार्थियों ने अपनी भावनाओं को पोस्टर मेकिग, दीया मेकिग व रंगोली इत्यादि बना कर प्रदिर्शत किया। सुभाष बिश्नोई ने देश की अखंड संस्कृति के इस महापर्व को संपूर्ण भारत की एकता तथा आपसी सौहार्द का परिचायक बताया। स्कूल प्रिंसिपल कृष्ण कुमार धारिनया ने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर प्रतिभावान विद्यार्थियों के साथ-साथ स्कूल प्रबंधन ने दीपावली पर्व पर स्टाफ एवं परिवहन सेवा से जुड़े हुए सभी कर्मचारियों को मिठाईयां एवं उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्र म में स्कूल के कोऑर्डिनेटर साहिल मंडा, किनती कुमार,गोविंद सिंह,रोहताश कुमार, मंजू मंडा, दर्शना देवी, ममता, अंजू आदि मौजूद थे।

हिसार में रन फ़ॉर यूनिटी आज

अक्टूबर : उपायुक्त प्रदीप दहिया ने कहा है कि 31 अक्टूबर को जिले में रन फ़ॉर यूनिटी का भव्य आयोजन होगा। ऐसे में आयोजन की तैयारियों में किसी प्रकार की कोताही ना बरती जाए। रन फॉर यूनिटी का शुभारंभ महाबीर स्टेडियम, गेट नं. 1 से होगा। इसके बाद मधुबन पार्क, लक्ष्मीबाई चौक, आईजी चौक, मटका चौक से वापस होते हुए उक्त दौड़ महाबीर स्टेडियम हिसार में समाप्त होगी। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु उपायुक्त प्रदीप दहिया ने हिसार एसडीएम हरबीर सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया हैं। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि आयोजन के दौरान आमजन को कोई परेशानी ना उठानी पड़े। उन्होंने बताया कि रन फॉर यूनिटी को मुख्यातिथि लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा द्वारा सुबह 7 बजे आयोजन स्थल से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि देश की एकता सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही इस मैराथन में स्थानीय नागरिकों के लिए भाग लेना उनके जीवन का एक नया अनुभव होगा। जिला प्रशासन की ओर से यह पूरा प्रयास किया जा रहा है कि किसी भी प्रतिभागी को दौड़ खत्म होने तक कोई असुविधा ना हो।

संक्षिप्त समाचार

देहात प्रीमियर लीग में नौहाई टीम ने जीता मैच

बांदा। गिरवां में खेले जा रहे देहात प्रीमियर लीग मैच में नौहाई और अतर्रा टीम के बीच मैच खेला गया। नौहाई की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में 108 रन बनाए। नौहाई की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए अनिल ने 44 रनों की पारी खेली। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी अतर्रा की टीम महज 63 रन पर ही आल आउट हो गई। नौहाई की टीम ने मैच में जीत हासिल की। मैच में मुख्य अतिथि के तौर पर मुन्ना कुषवाहा पूर्व प्रधान पिथौराबाद, संरक्षक मंडल के सदस्य मनीष षुक्ला के अलावा चंदन षुक्ला, सफीक खान के अलावा दर्षक मौजूद रहे। कमेंटेटर की भूमिका में आलोक, आकाष गोस्वामी और षैलेंद्र पांडेय के साथ स्कोरर निखिल, प्रषांत गोस्वामी आदि मौजूद रहे। विजेता टीम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

रामहित सेवा समिति का भण्डारा सम्पन्न

चित्रकूट। रामहित सेवा समिति द्वारा दीपावली मेला में आये हुये श्रद्धालुओं को छोटी दिवाली के दिन अखण्ड भण्डारे का आयोजन किया गया। भण्डारा सुबह 8 बजे से शुरू हुआ जो देर शाम तक अनवरत चलता रहा। इस दौरान लगभग 8 हजार श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

दीपावली पूजन सामग्री पाकर कोल बस्ती के लोग चहके

चित्रकूट। अंधेरे घरों की दीवाली बनो कार्यक्रम के तहत आयुष्मान वानप्रस्थ विश्वविद्यालय समाजसेवी संस्था द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी दीपावली के पावन पर्व के अवसर पर गरीब निराश्रितों के घरों को रोशन करने के लिये पाठा क्षेत्र के दुर्गम गांव जमुनिहाई कोल आदिवासी बस्ती में दीपावली किट का वितरण किया गया। दीपावली पूजन सामग्री तेल, दिया, मिठाई, गणेश लक्ष्मी की मूर्ति आदि सामान पाकर कोल आदिवासियों के चेहरे खिल उठे। कलेक्ट्रेट चित्रकूट में तैनात एसडीएम मो0 जसीम, जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक अनुराग शर्मा, समाजसेवा संस्थान के गोपाल भाई, यूथ्रीए के निदेशक बलवीर सिंह, डा0 मनोज द्विवेदी आदि समाजसेवियों ने गरीबों को दीपावली किट बांटकर दीपावली की शुभकामनायें दी। इस मौके पर संस्था के जिला संयोजक विजय चन्द्र गुप्ता, पंकज दुबे, राजेश दुबे, रामेश चन्द्र द्विवेदी, लल्लूराम शुक्ल, नरेन्द्र सिंह, अनीता सिंह, लक्ष्मी देवी, चित्रा द्विवेदी, रानी द्विवेदी, हरि ओम सिंह, रामबचन सिंह, फूलचन्द्र चंद्रवंशी, शंकर यादव, प्रदीप शुक्ला आदि के अलावा संस्था से जुडे कार्यकर्ता विजय कुमार पटेल , भरतलाल, रामविश्वास गर्ग, फूलचन्द्र, राजकिशोर , सुखराम, भारती देवी, संजय शुक्ला, श्यामसुन्दर, अनीस, राजू प्रसाद आदि मौजूद रहे।

विद्याधाम समिति ने गरीबों को वितरित की खाद्य सामग्री

बांदा। अतर्रा क्षेत्र में नरैनी रोड स्थित विद्या धाम समिति परिसर में बुधवार को कैंप का आयोजन किया गया। इसमें दीपावली के मौके पर जरूरतमंदों को मदद की गई। समिति के सचिव राजाभइया की अगुवाई में कई असहाय परिवारों को खाद्यान्न सामग्री का वितरण किया गया। समिति के सचिव राजाभैया ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य समाज के वंचित और गरीब तबके के लोगों तक सहायता पहुंचाना है जो आर्थिक तंगी के चलते त्यौहार मनाने में असमर्थ होते हैं।

कला, संस्कृति और युवा विभाग

बिहार में सांस्कृतिक कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव जल्दी ही मुख्यमंत्री को भेजा जाएगा: उप मुख्यमंत्री

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

पटना। बिहार के उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने लखीसराय में आगामी युवा उत्सव की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। बैठक की शुरूआत उन्होंने तमाम बिहार वासियों को दिवाली की शुभकामनाएं देकर की। बैठक में कला, संस्कृति और युवा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे, जिन्होंने उत्सव की तैयारियों, व्यवस्थाओं और आयोजन से जुड़ी विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा की जल्दी ही बिहार में सांस्कृतिक कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत करेंगे। जिससे की क्षेत्र की पहचान और प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय फलक तक पहुँचेगी। इस कॉरिडोर में गया, बोधगया, नालंदा, राजगीर, लखीसराय, नवादा, मुंगेर भागलपुर जिले शामिल होंगे। बड़ी संख्या में सैलानी यहाँ आयेंगे। इससे क्षेत्र का विकास भी होगा। लोगो के लिये रोजगार का सृजन भी होगा। श्री सिन्हा ने बैठक में कहा कि यह उत्सव प्रदेश के युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिसमें वे अपनी कला, संस्कृति और प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आयोजन की हर एक व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कमी न रहे। उप मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यह उत्सव युवाओं को अपनी कला एवं संस्कृति के प्रति जागरूक करेगा और उन्हें प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने आयोजन स्थल पर जाकर तमाम तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण करने के लिए निर्देशित किया। युवा उत्सव कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले कलाकारों के बारे में भी उन्होंने बैठक में विमर्श किया। साथ ही इस बात जोर दिया की सिद्धहस्त और स्थानीय कलाकारों को वरीयता दिया जाये। अधिकारियों ने बताया कि उत्सव के आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ नृत्य, संगीत, गायन और अन्य गतिविधियों को भी शामिल किया जाएगा। श्री सिन्हा ने खासतौर पर इस बात पर जोर दिया कि युवाओं की सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए प्रचार-प्रसार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे ज्यादा से ज्यादा युवा इस उत्सव में भाग लें। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आयोजन स्थल पर सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात प्रबंधन का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने आयोजन की तैयारियों में स्थानीय युवाओं को भी शामिल करने की अपील की, जिससे वे अपने हुनर और नेतृत्व क्षमता को निखार सकें। उप मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कला, संस्कृति और ऐतिहासिकता की दृष्टिकोण से लखीसराय जिले का विशेष महत्व है।इस तरह के आयोजन से भविष्य में इस जिले का महत्व और भी बढ़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कई विभागों के साथ मिल कर जिले के संपूर्ण विकास के लिए प्रयासरत है। बैठक के अंत में, श्री सिन्हा ने सभी विभागों को आपसी समन्वय और तत्परता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया और आशा व्यक्त की कि यह युवा उत्सव बिहार के सांस्कृतिक एवं युवा प्रतिभा को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करेगा। समीक्षा बैठक के दौरान विभाग के सचिव दयानिधान पांडेय, संयुक्त सचिव सह सांस्कृतिक कार्य निदेशक रूबी, विशेष सचिव सीमा त्रिपाठी सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

करंट की चपेट में आने से किशोर की दर्दनाक मौत

जिला अस्पताल में रोते परिजन।

■ महोबा

खेत पर नहाने के लिए ट्यूबवेल को चालू करते एक किशोर करंट की चपेट में आ गया। परिजनों द्वारा आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने किशोर का डाक्टरी परीक्षण करते हुए उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर अग्रिम कार्रवाई शुरु कर दी है। वहीं मौत के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल बना हुआ है।

शहर के मोहल्ला शेखूनगर निवासी रामबाबू प्रजापति का भटीपुरा मौजा पर खेत स्थित है, जिस पर इस साल मूंगफली फसल की खेती की गई और परिजनों द्वारा मूंगफली फसल की सिंचाई का काम किया जा रहा है। बुधवार को रामबाबू प्रजापति का बड़ा पुत्र राहुल उर्फ ज्ञान (16) घर से बिना बताए खेत पर नहाने के लिए पहुंच गया और जैसे ही नहाने के लिए स्टार्टर के बटन को चालू किया तो उसे करंट ने अपनी गिरफ्त में ले लिया जिससे अचेत होकर किशोर वहीं गिर गया। करंट लगने से ज्ञान के मुह से निकली चीख सुन आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और कनेक्शन काटते हुए परिजनों को सूचना देते हुए किशोर को जिला अस्पताल में ले जाया गया।

किशोर के गम्भीर हालत में जिला अस्पताल पहुंचे ही डाक्टरों की टीम ने उसका डाक्टरी परीक्षण किया और राहुल को मृत घोषित कर दिया। किशोर की मौत हो जाने से परिजनों का रो रोकर बुरा हाल बना हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा घटना की जानकारी करते हुए शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया गया। उधर परिजनों का कहना है कि उन्हें नहीं मालूम था कि राहुल खेत पर गया था। घटना के बाद मोहल्ले वासियों द्वारा सूचना मिली थी, जिसके बाद परिजनों का बुरा हाल है।

अज्ञात वाहन ने ई-रिक्षा में मारी टक्कर, युवक की मौत

- बांदा-फतेहपुर राजमार्ग पर मूंगुस गांव के पास हुई दुर्घटना
- सड़क हादसे में तीन लोग हुए घायल, कराया जा रहा उपचार

■ बांदा

सवारियों से भरे ई-रिक्षा में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में चार लोग घायल हो गए। एक ई-रिक्षा सवार की मौत हो गई। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने षव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

तिंदवारी थाना क्षेत्र के मूंगुस गांव के पास मंगलवार की रात ई-रिक्षा में सवार होकर अपने गांव जा रहा था। तभी रास्ते में मूंगुस गांव के समीप ई-रिक्षा पर अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी; ई-रिक्षा पलट जाने से उसमें सवार चार लोग जख्मी हो गए। मूंगुस गांव निवासी मुन्ना यादव (35) पुत्र कोदवा गंभीर रूप से घायल हो गया, उसकी मौत हो गई। इसके अलावा गणेष यादव पुत्र दउवा, मदन यादव पुत्र उदला, शेखन यादव पुत्र कालका यादव निवासीगण ग्राम मुंगुस को घायल हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह राजावत ने बताया कि घटना मंगलवार की रात की है। मृतक के पिता कोदवा ने बताया कि मुन्ना मेहनत मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता था। वह बांदा से गांव आ रहा था। तभी हादसे का षिकार हो गया। वह अपने पीछे पत्नी सुनीता चार पुत्री एक पुत्र को छोड़ गया है। मालुम हो कि दीवाली पर्व के बाद मृतक मुन्ना को अपनी बेटी नीलम की सगाई करने के लिए जाना था। अचानक हुई इस घटना से परिवारीजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बिजली विभाग के संविदा कर्मियों ने किया प्रदर्शन

अधीक्षण अभियंता को सौंपा ज्ञापन, समस्या समाधान की मांग

■ अतर्रा

कंपनियों की ओर से अधिकारियों के आदेषों का पालन नहीं किया जा रहा है। इससे बिजली विभाग के संविदा कर्मचारियों को परेषान किया जा रहा है। बुधवार को बिजली कर्मचारियों ने बिजली कार्यालय परिसर में प्रदर्षन करते हुए नारेबाजी की और समस्याओं का समाधान किए जाने की मांग की। अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपा गया।

विद्युत कार्यालय परिसर में धरना प्रदर्शन करते निविदा संविदा कर्मचारी।

संविदा कर्मचारी संघ के प्रांतीय मंत्री रणबहादुर सिंह के नेतृत्व में अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान अतर्रा, बदौसा, ओरन व फतेहगंज के कर्मचारी भी मौजूद रहे। ज्ञापन में बताया कि संबंधित निविदा फर्म उनसे विद्युत सुधार का खतरनाक काम करवाती है, लेकिन किसी भी कर्मचारी को कोई भी सुरक्षा उपकरण मुहैया नही कराती। इस दौरान किसी कर्मचारी के साथ कोई दुर्घटना घटित होने पर उसका इलाज भी नही कराया जाता है। इतना ही नही समस्त कर्मचारियों से महीने के 30 दिन काम कराने के बाद संबंधित फर्म द्वारा मात्र 26 का पारिश्रमिक भुगतान किया जाता है। कर्मचारियों को महीने में एक भी अवकाश दिये बगैर 16 से 18 घण्टे काम लिया जाता है। विभाग द्वारा सभी कर्मचारियों को महीने की 7 तारीख तक वेतन देने का आदेश है, लेकिन फर्म द्वारा 15 तारीख तक वेतन दिया जाता है।

संबंधित फर्मों द्वारा लगातार विभाग व शासन से बनाये गये श्रम कानूनों का उलंघन कर हमारा शोषण किया जा रहा है जो कि नीति विरुद्ध है। इस दौरान उमाशंकर, ब्रजराज, सचिव पाण्डेय, सोम बाजपेयी, कमलाकांत, हरिओम, रामबली सहित एक सैकड़ा कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी कर्मचारियों ने उपखण्ड अधिकारी के आश्वासन पर धरना समाप्त किया।

इस संबंध में उपखण्ड अधिकारी विमलेश कुमार का कहना है कि कर्मचारियों द्वारा समस्याओं का ज्ञापन दिया गया। आष्वासन दिया गया है कि जल्द ही समस्याओं का समाधान होगा।

लाभांश बढ़ाने के लिए कोटेदारों ने विधायक से की फरियाद

नरैनी। कोटेदारों ने लाभांष बढ़ाए जाने के साथ ही मानदेय की मांग की है। बुधवार को कोटेदारों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन विधायक को सौंपा। बताया कि दूसरे प्रदेषों में लाभांष 200 रुपये से अधिक है।

आल इंडिया केयर शाप डीलर एशोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष राजाभैया द्विवेदी के नेतृत्व में कोटेदारों ने विधायक के आवास पहुंच कर ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में बताया गया है कि प्रदेश के उचित दर विक्रेताओं को खाद्यान्न एवं चीनी वितरण में 90 रुपये प्रति कुंतल की दर से लाभांश दिया जाता हैं जबकि दूसरे प्रदेशों में यह लाभांश 200 रुपये से अधिक है। ज्ञापन में बताया है कि उनके द्वारा शासन की मंशा अनुरूप राशन वितरण किया जाता हैं। कोरोना काल में भी सभी कोटेदारों ने प्रधानमंत्री अन्न योजना और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत निरूशुल्क राशन वितरण किया है। विधायक ओममणि वर्मा ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर प्रकरण पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए नियमानुसार लाभांश वृद्धि करने की मांग की है। इस दौरान कोटदार संगठन के सुशील कुमार शिवहरे, मंत्री अवध बिहारी, के अलावा गया, रामकुमार आदि मौजूद रहे।

दुकानदारों ने प्रतिष्ठानों को सजा सवार सामनों का किया स्टॉक

राजापुर (चित्रकूट)। कस्बा राजापुर में एक हफ्ते पूर्व दुकानदारों के द्वारा अपने अपने प्रतिष्ठानों को सजाने सवांरने व सामानों का स्टॉक इसलिए किया गया था कि धनतेरस के त्योहार में काफी बिक्री होगी। लेकिन सर्राफा व्यवसायियों से लेकर बर्तन की दुकानों, यहाँ तक कि दीपावली के दिन गणेश लक्ष्मी की पूजा अर्चना के लिए तमाम दुकानदारों ने गणेश लक्ष्मी की मूर्तियाँ सजाकर रखी हुई हैं। लेकिन महँगाई के चलते दुकानों में सन्नाटा छाया रहा और कहीं कहीं दुकानों में इक्का दुक्का ग्राहक जरूर नजर आए हैं। मंगलवार को कस्बे में भीड़ तो दिखी लेकिन खरीददारी करते नजर नहीं आए हैं। सर्राफा व्यवसायी पुनीत सोनी ने बताया कि पिछले 2023 के धनतेरस त्योहार में सोना प्रति 10 ग्राम 60300 रु0 था जो एक वर्ष बाद 81300 रु0 प्रति 10ग्राम हो गया है। यही चाँदी को देखा जाए तो गतवर्ष 40950 रु0 थी, वहीं इस त्योहार में 98700रु0 पहुँच गई है। जो एक वर्ष के अन्तराल में सोना 21000 रु0 तथा चाँदी 57750रु0 ब?ी है जिससे आम आदमी के पहुँच से बाहर हो गई है और चाँदी सोना खरीदना लोगों के लिए एक सपना देखने के बराबर है।

फ्रांसीसी उपनिवेशों के भारत में पुन: एकीकरण एवं भारतीय राज्यों के पुनर्गठन की वर्षगांठ पर सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन, मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कार्यक्रम का आयोजन।

महात्मा गांधी, कस्तूरबा गांधी, सरदार वल्लभभाई पटेल, पंडित जवाहरलाल नेहरू, फ्रांसीसी उपनिवेशों का भारत में एकीकरण और भारतीय राज्यों के पुनर्गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली शख्सियतों को हार्दिक श्रद्धांजलि।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

पश्चिम चंपारण। भारत में फ्रांसीसी उपनिवेशों के पुनर्मिलन एवं भारतीय राज्यों के पुनर्गठन की वर्षगांठ पर सत्याग्रह भवन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, बुद्धिजीवी एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय शांति दूत सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ. एजाज अहमद अधिवक्ता, डॉ. सुरेश कुमार अग्रवाल, डॉ. शाहनवाज अली, डॉ. अमित कुमार लोहिया, वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ अमानुल हक, सामाजिक कार्यकर्ता नवेनदु चतुर्वेदी पश्चिम चंपारण कला मंच की संयोजक शाहीन परवीन ने संयुक्त रूप से कहा कि 1947 की आजादी के बाद भारत में फ्रांसीसी उपनिवेशों के पुनर्एकीकरण को बल मिला।अक्टूबर 1947 में तुरंत मछलीपट्टनम, कोझिकोड और सूरत के लॉज स्वतंत्र भारत को सौंप दिए गए। 1948 में फ्रांस और भारत के बीच एक समझौता हुआ, जिसके अनुसार फ्रांसीसी भारत के नागरिक फ्रांस की शेष भारतीय संपत्ति में चुनाव के लिए सहमत हुए। अपना राजनीतिक भविष्य चुनें. मई 1950 में चंदननगर का शासन भारत को सौंप दिया गया, जिसके बाद 2 अक्टूबर 1955 को इसे पश्चिम बंगाल राज्य में विलय कर दिया गया। 1 नवंबर 1954 को, पांडिचेरी, यनम, माहे और कराईकल के चार परिक्षेत्रों को डी के साथ एकीकृत किया गया। वास्तव में स्वतंत्र भारत और पुडुचेरी भारतीय केंद्र शासित प्रदेश बन गया। फ्रांसीसी भारत का भारत के साथ कानूनी विलय 1962 तक नहीं हुआ था, लेकिन भारत के साथ संधि को 1962 में पेरिस में फ्रांसीसी संसद द्वारा अनुमोदित किया गया था, फिर आधिकारिक तौर पर भारत में फ्रांसीसी उपनिवेशों के पुनर्मिलन का मार्ग प्रशस्त हुआ। . इसके साथ ही भारतीय धरती पर 185 वर्ष पुराना फ्रांसीसी शासन समाप्त हो गया। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि आज ही के दिन देश का नवनिर्माण हुआ था. इस दिन 01 नवंबर को मध्य प्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, हरियाणा, पंजाब, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु राज्य अपना स्थापना दिवस मना रहे हैं। वहीं, दिल्ली, चंडीगढ़, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान-निकोबार को भी इसी दिन केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा दिया गया था। आजादी के बाद देश में कई बदलाव और राजनीतिक संशोधन हुए। भारत के मौजूदा 28 राज्यों का गठन भी एक दिन में नहीं हुआ था। कालान्तर में अनेक राज्यों का निर्माण हुआ। भारत का प्रत्येक राज्य अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और जनसंख्यिकी के लिए जाना जाता है। इन कारकों को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग समय पर अलग-अलग राज्यों का गठन किया गया। आंध्र प्रदेश (01 नवंबर 1956) - कई लोगों के आंदोलनों और बलिदानों के बाद, आंध्र प्रदेश राज्य को तत्कालीन मद्रास प्रेसीडेंसी से अलग किया गया था। तेलंगाना, जो उस समय हैदराबाद राज्य का हिस्सा था, बाद में आंध्र राज्य में विलय कर दिया गया और आंध्र प्रदेश एक पूर्ण राज्य बन गया। तमिलनाडु (01 नवंबर 1956) - आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और केरल का एक हिस्सा मद्रास प्रेसीडेंसी से अलग हो गया। अक्टूबर 1956 में 75 दिनों के अनिश्चितकालीन उपवास के बाद तमिल विद्वान और गांधीवादी, के शंकरलिंगनार की मृत्यु के बाद तत्कालीन प्रशासन को राज्य विधानसभा में 1956 राज्य भाषाई पुनर्गठन विधेयक पारित करने और संसदीय मंजूरी देने के लिए प्रेरित किया गया। केरल (01 नवंबर 1956) - राज्य भाषाई पुनर्गठन विधेयक के पारित होने और मालाबार, कोचीन और त्रावणकोर प्रांतों के विलय के बाद 1956 में केरल राज्य मद्रास प्रेसीडेंसी से अलग हो गया। मध्य प्रदेश (01 नवंबर 1956) - राज्य पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार, मध्य भारत, विंध्य प्रदेश और भोपाल राज्यों को मध्य प्रदेश में मिला दिया गया, और विदर्भ के मराठी भाषी दक्षिणी क्षेत्र को बॉम्बे राज्य को सौंपा गया। कर्नाटक (01 नवंबर 1956)- दक्षिण भारत के कन्नड़ भाषी क्षेत्रों को मिलाकर कर्नाटक राज्य का गठन किया गया। एकीकृत कन्नड़-भाषी उप-राष्ट्रीय इकाई बनाने के लिए मैसूर रियासत को बॉम्बे और मद्रास प्रेसीडेंसी के कन्नड़ भाषी क्षेत्रों के साथ-साथ हैदराबाद रियासत के साथ मिला दिया गया था। हरियाणा (01 नवंबर 1966) - न्यायमूर्ति जेसी शाह की अध्यक्षता में पंजाब पुनर्गठन अधिनियम (1966) के अनुसार, शाह आयोग ने मौजूदा पंजाब राज्य को विभाजित किया और नए राज्य हरियाणा की सीमाओं का निर्धारण किया। पंजाब (01 नवंबर 1966) - 1956 में पूर्वी पंजाब राज्य को एकीकृत करके एक नया विस्तारित भारतीय राज्य बनाया गया जिसे केवल "पंजाब" कहा गया। हालाँकि, भाषाई आधार पर हरियाणा राज्य के निर्माण के बाद, पंजाबी भाषी आबादी ने पंजाब पुनर्गठन अधिनियम (1966) के तहत राज्य का गठन किया। छत्तीसगढ़ (01 नवंबर 2000) - 25 अगस्त 2000 को तत्कालीन राष्ट्रपति द्वारा मध्य प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2000 को अपनी मंजूरी देने के बाद, मध्य प्रदेश के दस छत्तीसगढ़ी और छह गोंडी भाषी जिलों को विभाजित करके नए राज्य छत्तीसगढ़ का गठन किया गया ।

जनता दरबार में 25 मामलों की सुनवाई की गई।

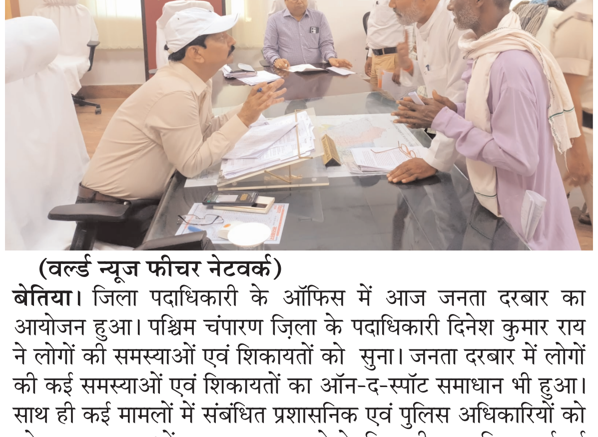

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। जिला पदाधिकारी के ऑफिस में आज जनता दरबार का आयोजन हुआ। पश्चिम चंपारण ज़िला के पदाधिकारी दिनेश कुमार राय ने लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना। जनता दरबार में लोगों की कई समस्याओं एवं शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान भी हुआ। साथ ही कई मामलों में संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को फोन कर समस्याओं का समाधान करने के लिए शीघ्र समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। डीएम के जनता दरबार में 25 मामले आए। जिन मामलों का समाधान आज नहीं हो सका, उसे संबंधित विभाग के अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित गति से नियमानुकूल समाधान कराने हेतु निर्देशित किया गया। आज के जनता दरबार में कई तरह के मामले आए। जिसमें राजस्व, शिक्षा, आपूर्ति, आवास, स्वास्थ्य, से जुड़ी समस्या आदि शामिल हैं। डीएम ने हर मामले को सुना और नियमानुसार समाधान की दिशा में आवेदन को आगे बढ़ाया। जिन लोगों के द्वारा अपनी समस्याओं से डीएम को अवगत कराया गया उनमें रमेश कुमार केडिया, हंकारी देवी, मुकेश कुमार, प्रभावती देवी, ओमप्रकाश शर्मा, राजकुमार, रीमा देवी आदि के नाम शामिल हैं। इस जनता दरबार में अपर समाहर्ता, राजीव कुमार सिंह अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा,अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन रामानुज प्रसाद सिंह,जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार,एस डीओ बेतिया सदर विनोद कुमार, वरीय उप समाहर्ता एस प्रतीक सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे।

संक्षिप्त पर महत्वपूर्ण

अमेरिका के पश्चिमी तट पर जोरदार भूकंप

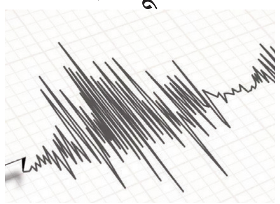

वाशिंगटन। अमेरिका के पश्चिमी तट पर गुरुवार को एक शक्तिशाली भूकंप आया। हालांकि, सुनामी को लेकर कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। समाचार एजेंसी एएफपी ने अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के हवाले से बताया कि 6.0 तीव्रता का भूकंप प्रशांत महासागर के नीचे एक फॉल्टलाइन पर आया, जो ओरेगन राज्य के बैंडन शहर से 173 मील (279 किलोमीटर) दूर है। एपी के अनुसार 75 से अधिक लोगों ने भूकंप से हल्की कंपन महसूस होने की सूचना दी, जिसका केंद्र ओरेगन के छोटे से शहर बैंडन से लगभग 173 मील दूर था। हालांकि, राहत की बात यह है कि भूकंप से किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं मिली है।

उड़ानों में बम की धमकी की गंभीरता से होगी जांच

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन ब्यूरो (बीसीएएस) ने भारतीय विमानों में बम रखे होने की धमकी की गंभीरता का आंकलन करने को नागरिक विमानन सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। फ्लाइट में बम रखे होने की सूचना की गंभीरता पर मंथन करते समय एजेंसियां अब इंटरनेट मीडिया हैंडल का नाम, धमकी देने वाला किसी आतंकी या प्रतिबंधित संगठन से तो नहीं जुड़ा, विमान में वीआइपी की उपस्थिति जैसे मानदंडों को ध्यान में रखेंगी। ये दिशा-निर्देश उभरती सुरक्षा चुनौतियों विशेषकर विभिन्न इंटरनेट मीडिया मंचों के जरिये विमानों में बम रखे होने की फर्जी सूचनाएं फैलाने की बढ़ती प्रवृत्ति के मद्देनजर जारी किए गए हैं।

इजरायली बमबारी में लेबनान के 2790 लोगों की मौत

बेरूत। इजरायली सेना ने बुधवार सुबह लेबनान के पूर्वी भाग में स्थित बालबेक शहर के लोगों को इलाका खाली करने के लिए कहा और रात में वहां बमबारी शुरू कर दी। हवाई हमलों में जान-माल के नुकसान की जानकारी अभी नहीं मिली है। बालबेक वह शहर है जिसमें रोमन साम्राज्य के तीन हजार वर्ष पुराने अवशेष हैं। संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को ने 1984 में इसे विश्वदाय क्षेत्र घोषित किया था। इजरायल ने लेबनान की बेका घाटी में भी मंगलवार-बुधवार की रात कई हवाई हमले किए। इन हमलों में घाटी में बसे शहरों में 60 से ज्यादा लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए हैं। आठ अक्टूबर, 2023 से हिजबुल्ला के साथ जारी लड़ाई में इजरायली सेना लेबनान में 2,790 लोगों को मार चुकी है।

500 वर्षों बाद बालक राम के भव्य मंदिर में विराजने के बाद से अयोध्यावासी खुशी से सराबोर दिखे

हजारों दीपमालाओं से जगमग हुए सरयू घाट, धरा से लेकर नभ तक फैली रामनगरी की आभा

- शाम को राम की पैड़ी पर दीपों को जगमग करने का काम शुरू होगा
- राम की पैड़ी के 55 घाटों पर 28 लाख दीये सजाए गए

एजेंसी, अयोध्या

दीपावली पर रामनगरी अयोध्या भगवान श्रीराम के स्वागत में भव्य-नव्य रूप लिए है। रामनगरी में सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ पहुंचे। सबसे पहले सीएम योगी रामकथा पार्क पहुंचे। यहां उन्होंने रामायण कालीन प्रसंगों पर आधारित निकाली जा रही शोभायात्रा की अगवानी की। मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत अन्य नेता मौजूद रहे। वहीं दूसरी तरफ 500 वर्षों बाद बालक राम के भव्य मंदिर में विराजने के बाद से अयोध्यावासी खुशी से सराबोर दिखे।

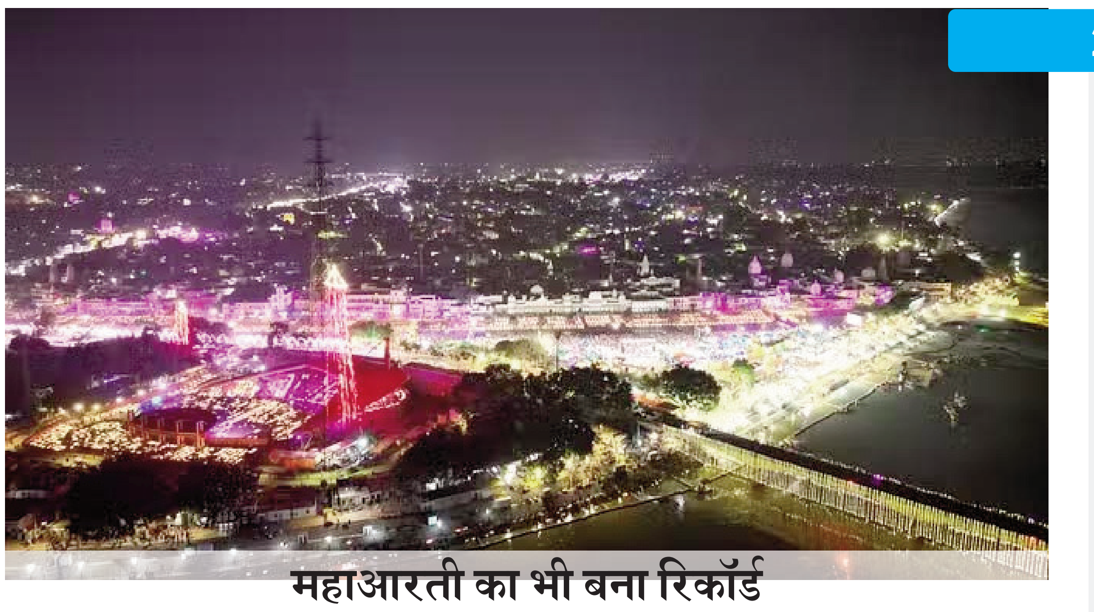

महाआरती का भी बना रिकॉर्ड

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में इस बार एक और बड़ा रिकॉर्ड बना। यह रिकॉर्ड सरयू तट पर महाआरती का है। शाम को सरयू आरती में 1121 अर्चक और बटुक मौजूद रहे। सभी बटुक एक ही वेशभूषा में नजर आए। 15 मिनट तक होने वाली आरती में इतनी संख्या में बटुकों का जुटना, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बना।

25 लाख से ज्यादा दीये जलाए, बना रिकॉर्ड

शाम को राम की पैड़ी पर दीपों को जगमग करने का काम शुरू हुआ।। करीब 55 घाटों पर 25 लाख 12 हजार 585 दीप जले। इन्हें प्रज्ज्वलित करने की जिम्मेदारी अवध विश्वविद्यालय के 30 हजार वॉलंटियर्स को दी गई। शाम तक सभी दीए जले। इसके बाद गिनीज बुक की टीम ने ड्रोन से गिनती कर रिजल्ट घोषित किया।

सीएम ने खुद खींचा शोभायात्रा का रथ

पुष्पक विमान से उतरकर भगवान श्रीराम, लक्ष्मण व मां सीता राम दरबार तक आने के लिए रथ पर सवार हुए तो इस रथ को स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खींचा, इसके बाद सहयोग के लिए उनके मंत्रीगण सूर्यप्रताप शाही व उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक भी साथ आ गए।

पूरी दुनिया श्रीराम को मान रही है

शोभायात्रा में शामिल होने के दौरान सीएम योगी ने राजा राम और लक्ष्मण का तिलक किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्षी पार्टियां पहले राम के नाम पर प्रश्न खड़ा करती थीं। अब पूरी दुनिया राम को मान रही है।

सनातन धर्म ने सबको गले से लगाया

सीएम योगी ने आगे कहा कि सनातन धर्म एक ऐसा धर्म है जिसने सभी को अपने सीने से लगाया। यह धर्म किसी से नफरत नहीं करता है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या एक नया इतिहास रच रहा है।

2 लोगों की मौत, कई लोग हुए घायल

आंध्र प्रदेश में बिजली गिरने से दुकान में लगी आग

5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि इस घटना में ही 5 अन्य लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

एजेंसी, नई दिल्ली

आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी में एक दर्दनाक हादसा देखने को मिला है। दरअसल पूर्वी गोदावरी के उंद्रजावरम में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब बिजली गिरने से एक दुकान में आग लग गई। बता दें कि इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई और करीब 5 लोग इस घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। वहीं 5 अन्य लोगों को इस घटना में मामूली चोटें लगी हैं। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है जिसमें दुकान में लगी आग साफ देखी जा सकती है, जिसमें आग की ऊंची लपटें भी दिख रही हैं। बता दें कि इस दौरान कुछ लोग वहां खड़े घटना को रिकॉर्ड करते हुए भी दिख रहे है।

उत्तराखंड में शराबी ने लगाई आग

आज उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में भी आग की घटना देखने को मिली है। दरअसल यहां एक पड़ोसी के मकान के किचन में बंद एक युवक ने घर को आग के हवाले कर दिया। दरअसल शराब के नशे की हालत में युवक में गैस सिलेंडर का रेगुलटर खोलकर घर को आग लगा दिया। इस कारण घर में रहने वाले एक ही परिवार के 10 लोग व आरोपी झुलस गए। बता दें कि पूरी घटना गरूड़ क्षेत्र के रणकुरी गांव का है। यहां मंगलवार की देर रात यह हादसा देखने को मिला है।

दीपोत्सव का पर्व धूमधाम से मनाया गया

मथुरा में श्री कृष्ण जन्म भूमि पर भव्य दीपोत्सव का आयोजन

मथुरा। मथुरा स्थित श्री कृष्ण जन्म भूमि पर दीपोत्सव का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर श्री कृष्ण जन्म स्थान में दीपों की एक लंबी श्रृंखला देखने को मिली, जो भक्तों और श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रही थी। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री कृष्ण के गर्भगृह में दीप जलाकर की गई, जिसके बाद श्री कृष्ण जन्म स्थान परिसर में दीपोत्सव का आकर्षक नजारा सभी के मन को भा गया। मंदिर के सेवा अधिकारी और अन्य पदाधिकारियों के साथ भगवान श्री कृष्ण के दर्शन करने आए भक्तों ने भी अपने कान्हा के समक्ष दीप जलाकर दीपावली का पर्व मनाया। भक्तों का कहना था कि भगवान श्री कृष्ण की जन्म भूमि पर दर्शन करना उनके लिए एक अद्भुत अनुभव था। उन्होंने कहा कि यहां आकर दीप जलाना और अपने कान्हा का आशीर्वाद लेना बहुत अच्छा लगा।₹ श्री कृष्ण जन्मस्थान के सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने बताया कि आज का दिन छोटी दीपावली और नरक निवारण चतुर्दशी के रूप में मनाया जाता है।

वैलेंसिया तक दक्षिणी और पूर्वी स्पेन के बड़े हिस्से में बाढ़ आ गई

स्पेन में विनाशकारी बाढ़ का कहर, अब तक 95 लोगों की मौत, हजारों बेघर, सड़कें नदियों में तब्दील हो गईं कारें बहती नजर आईं

- वैलेंसिया में आठ घंटे में एक साल की हो गई बारिश
- सड़कों पर बहती नजर आईं कारें, रेल लाइनें बाधित

एजेंसी, बार्सिलोना

स्पेन के वैलेंसिया में आठ घंटे के दौरान एक साल की बारिश हो गई। इसके कारण अचानक आई विनाशकारी बाढ़ के कारण 95 लोगों की मौत हो गई। सड़कें नदियों में तब्दील हो गईं और कारें बहती नजर आईं। रेल लाइनें और राजमार्ग बाधित हो गए। यह तीन दशकों में सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा है। तेज बारिश के साथ मंगलवार को आए तूफान के कारण मलागा से लेकर वैलेंसिया तक दक्षिणी और पूर्वी स्पेन के बड़े हिस्से में बाढ़ आ गई। तूफान के उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने पर कैटेलोनिया के हिस्से में रेड अलर्ट जारी किया गया है।

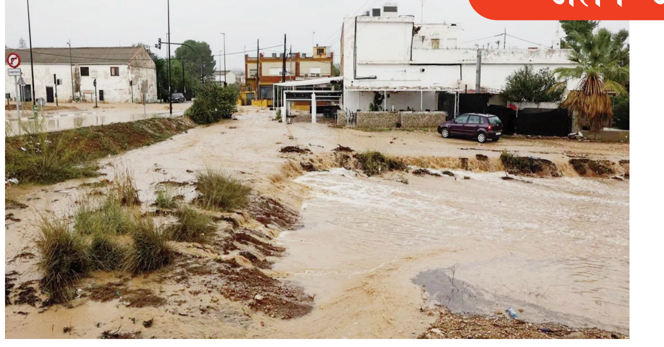

अलग-अलग जगहों पर सैकड़ों लोग फंसे

प्रभावित क्षेत्रों में अन्य सार्वजनिक सेवाओं के साथ-साथ मैड्रिड और वालेंसिया के बीच ट्रेन सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है। वालेंसिया में स्कूल, संग्रहालय और सार्वजनिक पुस्तकालय गुरुवार को बंद रहेंगे। सीएनएन के अनुसार, वेलेंसिया में राजमार्ग के विभिन्न हिस्सों पर लगभग 1,200 लोग अभी भी फंसे हुए हैं, और बढ़ते पानी के कारण 5,000 वाहन रुके हुए हैं। उटीएल और पैपोर्टा जैसी नदियों के पास के इलाकों में पानी सड़कों पर बह गया, जिससे वाहन और मलबा बह गया।

गाड़ियां और कचरे के डब्बे सड़कों पर बह रहे थे

घरों में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने के लिए हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल किया। कुछ लोग जान बचाने के लिए अपनी कारों के ऊपर खड़े हो गए थे। वैलेंसिया के शहर यूटीएल के मेयर रिकार्डो गैबल्डन ने कहा कि यह जीवन का सबसे बुरा दिन था। हम फंस गए थे। गाड़ियां और कचरे के डब्बे सड़कों पर बह रहे थे। पानी तीन मीटर तक बढ़ गया था। कई लोग अब भी लापता हैं। मलागा के पास 300 लोगों से भरी एक हाई-स्पीड ट्रेन पटरी से उतर गई। हालांकि, किसी को चोट नहीं आई। वैलेंसिया और मैड्रिड के बीच हाई-स्पीड ट्रेन सेवा बाधित हो गई।

एसडी इंडस्ट्रीज कंपनी में लगी भीषण आग

नीमराणा। नीमराणा के घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एसडी इंडस्ट्रीज कंपनी में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे कंपनी का सारा सामान जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार, कंपनी में कोई सिक्युरिटी गार्ड मौजूद नहीं था, जिस कारण आग की सूचना में देरी हुई और भारी नुकसान का सामना करना पड़ा।आग लगने की सूचना पड़ोसी कंपनी के मालिक ने पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलने के बाद, नीमराणा फायर ऑफिस के मेघराज यादव और कृष्ण के नेतृत्व में भिवाड़ी, कोटपूतली, बहरोड़, नीमराणा, घीलोट और सोतानाला से फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए हर संभव प्रयास किया। आग की सूचना मिलते ही मांढण थानाधिकारी बाबूलाल मीणा और घीलोट मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन के महासचिव राजा सोनी घटनास्थल पर पहुंचे। पास की कंपनियों, जैसे हैवल्स इंडिया, एस्ट्रोल पाइप्स, ग्लोशेरा, और ट्रांस एसीएनआर ने फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को पानी उपलब्ध कराकर सहायता दी। हालांकि, रीको (राजस्थान इंडस्ट्रियल एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन) की ओर से कोई मदद नहीं देखी गई।

देपसांग-डेमचोक में भारत-चीन ने पीछे हटाए सैनिक

पूर्वी लद्दाख में भारत-चीनी सैनिकों के बीच होगा मिठाइयों का आदान-प्रदान

- देपसांग के पांच तथा डेमचोक के दो स्थानों पर साढ़े चार वर्ष गश्त शुरू करेगी भारतीय सेना
- स्थानीय सैन्य कमांडर स्तर पर सैनिकों की वापसी की सत्यापन प्रक्रिया पर बुधवार को हुई वार्ता

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पूर्वी लद्दाख के देपसांग तथा डेमचोक में सैन्य टकराव के दोनों अग्रिम मोर्चों से सैनिकों की वापसी पूरी हो गई है। इन दोनों जगहों से अस्थायी ढांचे, टेंट और साजोसमान आदि भी पूरी तरह हटा लिए गए हैं। भारत और चीन के स्थानीय सैन्य कमांडरों के स्तर पर सैनिकों की वापसी से जुड़ी सत्यापन प्रक्रिया पर बुधवार को बातचीत भी हुई। अब गुरुवार को दीपावली के मौके पर दोनों देशों के सैनिकों के बीच मिठाइयों का आदान-प्रदान होगा जिसके बाद देपसांग और डेमचोक में करीब साढ़े चार वर्ष उपरांत एलएसी पर गश्त शुरू होगी। भारत और चीन के बीच देपसांग और डेमचोक में टकराव खत्म करने को लेकर कुछ दिन पहले बनी सहमति के अनुरूप इन दोनों जगहों के टकराव के बिंदुओं से दोनों देशों ने अपने-अपने सैनिकों को पीछे हटाया है।

पैट्रोलिंग के तौर-तरीकों पर फैसला किया जाना है

सेना के सूत्रों ने देपसांग और डेमचोक में दोनों तरफ से समझौते के अनुरूप कदम उठाए जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि सैनिकों की वापसी पूरी हो गई है और जल्द ही यहां गश्त शुरू हो जाएगी। सूत्र के अनुसार, सैनिकों की वापसी के बाद अब जमीनी स्तर पर सत्यापन का काम चल रहा है। दोनों देशों के मोर्चे पर तैनात सैन्य कमांडरों के बीच अब पैट्रोलिंग के तौर-तरीकों पर फैसला किया जाना है और इसको लेकर उनके बीच बातचीत जारी रहेगी।

31 अक्टूबर से सेना यहां गश्त शुरू कर देगी

सूत्र ने कहा कि सैनिकों की दोनों मोर्चों से वापसी मंगलवार को ही पूरी हो गई थी, मगर दोनों पक्षों की ओर से सत्यापन का काम पूरा नहीं हुआ था। जमीनी कमांडरों के स्तर पर हुई वार्ता के बीच भारतीय सेना ने बुधवार को यूएवी के जरिये देपसांग और डेमचोक दोनों जगहों पर चीनी सैनिकों के पीछे हटने से संबंधित अपना सत्यापन पूरा कर लिया। इसके मद्देनजर पुख्ता उम्मीद है कि 31 अक्टूबर से सेना यहां गश्त शुरू कर देगी।

जंगल तेजी से घट रहे हैं, पेड़ों को लकड़ी के लिए काटा जा रहा है, इसके चलते खेती और मानव विस्तार के लिए जमीन खाली की जा रही

चिंताजनक: धरती पर पेड़ों की हर तीन में से एक प्रजाति विलुप्त होने के कगार पर

- पेड़ों की 16,000 से अधिक प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है
- अध्ययन के लिए 47,000 से अधिक प्रजातियों का आकलन किया गया
- अनुमान है कि दुनियाभर में पेड़ों की 58,000 प्रजातियां हैं

एजेंसी, नई दिल्ली

धरती पर मौजूद पेड़ों की हर तीन में से एक प्रजाति विलुप्त होने के कगार पर है। इससे पृथ्वी पर जीवन संकट में पड़ सकता है। 'ग्लोबल ट्री असेसमेंट' ने अपनी हालिया रिपोर्ट में यह चेतावनी दी है। 'इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' (आईयूसीएन) की 'रेड लिस्ट ऑफ थ्रेटेंड स्पीशीज' के तहत जैव विविधता पर संयुक्त राष्ट्र के कॉप-16 शिखर सम्मेलन (कोलंबिया के काली शहर) के दौरान जारी रिपोर्ट में यह बात कही गई। रिपोर्ट के मुताबिक, पेड़ों की 16,000 से अधिक प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है। अध्ययन के लिए 47,000 से अधिक प्रजातियों का आकलन किया गया। इस अध्ययन में 1,000 से ज्यादा विशेषज्ञ शामिल थे। अनुमान है कि दुनियाभर में पेड़ों की 58,000 प्रजातियां हैं। रिपोर्ट में पेड़ लगाने के माध्यम से जंगल संरक्षण और पुनर्स्थापना का आह्वान किया गया है, साथ ही प्रजातियों को बचाने के लिए बीज बैंकों और वनस्पति उद्यानों में उनके संरक्षण पर जोर दिया गया है।

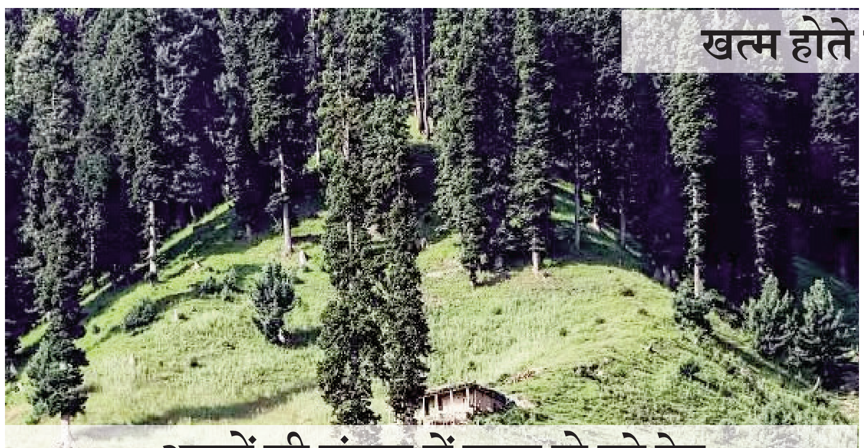

अरबों की संख्या में खत्म हो रहे पेड़

2015 में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया में लगभग 300 अरब पेड़ हैं। विज्ञान पत्रिका नेचर में प्रकाशित इस अध्ययन में अनुमान लगाया गया कि हर साल 15 अरब से अधिक पेड़ काटे जाते हैं और मानव सभ्यता की शुरुआत से पेड़ों की वैश्विक संख्या लगभग आधी हो चुकी है।

खत्म होते जंगलों से जलवायु परिवर्तन और सूखे का संकट

रिपोर्ट में कहा गया है कि जंगल तेजी से घट रहे हैं, पेड़ों को लकड़ी के लिए काटा जा रहा है। इसके चलते खेती और मानव विस्तार के लिए जमीन खाली की जा रही है। वहीं, जलवायु परिवर्तन भी सूखा और जंगल की आग जैसी समस्याओं के कारण एक अतिरिक्त खतरे को बढ़ा रहा है। विशेषज्ञ एमिली बीच ने कहा कि लोग खाने, लकड़ी, ईंधन और दवाओं के लिए पेड़ों की अलग-अलग प्रजातियों पर निर्भर करते हैं। पेड़ ऑक्सीजन बनाते हैं। साथ ही वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड जैसी ताप रोकने वाली गैसों को सोखते हैं। आईयूसीएन की महानिदेशक ग्रेथल एगुइलर ने कहा, पेड़ पृथ्वी पर जीवन बनाए रखने के लिए जरूरी हैं और लाखों लोग अपने जीवन और आजीविका के लिए उन पर निर्भर हैं।

द्वीपों पर सबसे अधिक खतरा

पेड़ प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा द्वीपों पर सबसे अधिक है, जहां तेजी से शहरी विकास, कृषि का विस्तार और अन्य स्थानों से लाई गई प्रजातियां, कीट और बीमारियां इसके लिए जिम्मेदार हैं। दक्षिण अमेरिका में, जहां दुनिया में सबसे अधिक पेड़ों की विविधता है, 13,668 आकलित प्रजातियों में से 3,356 विलुप्त होने की कगार पर है।

> हरदा हादसे में घायल नागरिकों का हाल-चाल पूछकर उन्हें आश्वस्त किया कि सभी का बेहतर उपचार होगा

संपादकीय

त्योहारी सीजन में रेल

देश के सभी रेलवे स्टेशनों पर जुटी भीड़ रेलवे के आंकड़ों, दावों और वादों की पोल खोल रही है। इस भीड़ में न टॉयलेट का भरोसा है, न पीने का पानी का।

प्रकाश पर्व दीपावली पर इस बार भ्रम की स्थिति बनी है। अमावस्या तिथि दो दिन पड़ने के कारण कुछ जगहों पर दीपावली 31 अक्तूबर को मनाने की बात कही जा रही है, कुछ जगहों पर 01 नवंबर को। दीपावली किसी भी तिथि को मनाई जाए, इसकी महत्ता कम नहीं होगी। दीपावली मनाने के लिए लोग अपने-अपने शहरों, गांवों को जाते हैं। लेकिन सफर इतना मुश्किल हो गया है कि रेलों में पैर रखने की जगह नहीं है। हद यह है कि रेल के टॉयलेट तक में सफर करना मजबूरी बन गई है। हर साल इस सीजन में ऐसी भीड़ देखी जाती है। इसी के मद्देनजर 24 अक्टूबर को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि दिवाली और छठ को देखते हुए 7,000 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी, जो पिछले साल के मुकाबले 60 प्रतिशत अधिक हैं। सवाल यह है कि वे स्पेशल रेल कहां हैं? कहां चल रही हैं? अगर चलतीं तो क्या रेलवे स्टेशनों पर इतनी मारामारी दिखती? इस साल भारतीय रेलवे का दावा है कि वो एक अक्टूबर से 30 नवंबर 2024 तक त्योहारी सीजन के दौरान एक करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाने के लिए तैयार है। रेलवे स्टेशनों पर जुटी भीड़ रेलवे के आंकड़ों, दावों और वादों की पोल खोल रही है। हद यह है कि रेल रद्द की जा रही हैं। इस वजह से यात्रियों को दो दिन स्टेशन पर गुजारना मजबूरी बन गया है। इस भीड़ में न टॉयलेट का भरोसा है, न पीने का पानी का। एक समस्या यह भी है कि वक्त के साथ-साथ टिकट भी महंगे हो जाते हैं। कुछ लोगों के लिए महंगे टिकट खरीदना भी मुश्किल है। इससे बड़ी विडंबना क्या हो सकती है कि कन्फर्म टिकट वाले यात्री भारी भीड़ होने की वजह से ट्रेन में ही नहीं चढ़ पाए। बहुत से यात्री चार महीने से ट्रेन टिकट पाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी भी इंतजार करना पड़ रहा है। एक विकल्प हवाई जहाज से यात्रा करना होता है, लेकिन यह हर किसी के बजट में नहीं होता। हवाई जहाज के किराये भी त्योहारी सीजन में आसमान छूने लगते हैं। रेलवे ने जनरल कोचों की संख्या घटा कर कम कर दी है। पहले चार से छह कोच जनरल के होते थे, अब महज दो ही कोच रहे गए हैं। एसी कोच बढ़ा दिए गए हैं। जनरल कोचों में बेहतहाशा भीड़ रहती है। लोग हिल भी नहीं सकते, न ही बाथरूम जा सकते हैं, न ही सो सकते हैं। महिलाओं के लिए तो बहुत असहज स्थिति हो जाती है। महिलाओं को किन हालात में सफर करना पड़ता है, यह वही जानती हैं।

पाठकवाणी

बहुत हो गई बहस

यह राजनीति ही है, जहां फायदे नजर आते हैं, सब मौन रहते हैं, लेकिन स्वार्थ सिद्ध न होते देख हंगामे में शुरू कर देते हैं। ईवीएम मशीन इसी पूर्वाग्रह का शिकार होती आई है। हरियाणा चुनाव में जिस तरह मामला संगीन हुआ उसका पटाक्षेप होने के बाद अब इसे भुला दिया जाना चाहिए, क्योंकि फिजूल के हंगामा से न सिर्फ जवाबदार संस्थाओं का ध्यान भटकता है बल्कि लोकतंत्र पर्व की खिल्ली भी उड़ती है। अक्सर चुनावों के समय ईवीएम विवाद का विषय होती है। परिणाम के बाद अपनी हार से खींझती कांग्रेस अक्सर इसकी निष्पक्षता पर निशाने साधती है। आश्चर्य की बात यह है कि पश्चिम बंगाल, दिल्ली जैसे राज्यों में जब विपक्ष की सरकारें आती है तब जीत के उल्लास में इस मामले को पर कोई सवाल जवाब नहीं होते लेकिन हरियाणा में बाजियां पलट जाती है तो मामला चुनाव आयोग और न्यायालय तक पहुंच जाता है। लेकिन इस बार हरियाणा के मामले में चुनाव आयोग ने 1600 पन्ने की रिपोर्ट सौंप कर कांग्रेस को लोगों को गुमराह नहीं करने की नसीहत दी है जो उचित है तो है। पर इस बात की क्या गारंटी है कि आगमी चुनावों में इसकी निष्पक्षता विवाद का विषय नहीं बनेगी? बहुत हो गई फालतू की बहस इस मामले में अब निर्णायक फटाक्षेप होना ही चाहिए जिससे सरकार और आयोग तथा कोर्ट का समय फालतू में जाया न हो।

-अमृतलाल मारू 'रवि', इंदौर

कुछ खास

मेरा नहीं ये तो कैग का कहना है कि 'आयुष्मान भारत योजना' में बहुत सारे घोटाले हैं। इस योजना में इलाज तब होगा जब मरीज भर्ती होगा लेकिन दिल्ली में भर्ती होने, ना होने की कोई शर्त नहीं है। 5 रुपए की दवाई से लेकर 1 करोड़ तक का ऑपरेशन सब कुछ मुफ़्त है।

-अरविंद केजरीवाल, आप संयोजक

आज का ट्वीट

''जब मैंने अपने ऑफिस के पास भंडारा किया तो कई मुस्लिम बच्चे देख रहे थे। मुझे कहना भी नहीं पड़ा और ऑफिस के साथियों ने उन्हें प्यार से बुलाकर शामिल किया। फिर और लोग भी आए।'' **-अशोक कुमार पांडेय**

साइबरवर्ल्ड

क्या अब मिल सकेगा सच्चा न्याय

अभी तक तो भाजपा सरकार नामों और स्वरूप में थोड़ा बदलाव कर यश अर्जित कर वोट का इंतजाम करती रही है। गांव मेरा -नाम तेरा । आश्चर्य तो तब हुआ जब माननीय सीजेआई वाय वी चंद्रचूड़ जी ने न्याय देवी को नव स्वरूप में बनवाया और उस स्टैच्यू को सुप्रीम कोर्ट में जजों की लाइब्रेरी में लगाया गया है। चंद्रचूड़जी का मानना है कि कानून कभी अंधा नहीं होता। वो सबको समान रूप से देखता है। साथ ही देवी के एक हाथ में तलवार नहीं, बल्कि संविधान होगा। जहां इनमें आंखों की पट्टी की बात करें तो यह समानता का प्रतीक है। जिस तरह से ईश्वर सभी को एक रूप में ही देखता है, कोई भेदभाव नहीं करता है, उसी तरह न्याय की देवी भी अपने सामने किसी को बड़ा छोटा नहीं मानती। आंखों पर पट्टी निष्पक्षता का प्रतिनिधित्व करती है। इसका मतलब है कि न्याय बिना किसी पक्षपात के किया जाना चाहिए, धन, शक्ति या सामाजिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए। 'कानून अंधा है' का आदर्श इस आंखों पर पट्टी बंधी महिला में सन्निहित है, जो प्रत्येक तर्क को पूरी तरह से तथ्यों और कानून के आधार पर तौलती है। जैसा कि कहावत है 'न्याय अंधा होता है', आंखों पर पट्टी बांधने से यह पता चलता है कि वह दिखावे के आधार पर न्याय नहीं करती। इसी तरह, इस मूर्ति (बाएं) जैसे उदाहरणों से पता चलता है कि वह न्याय करने के लिए अपने दिमाग और अपनी सभी इंद्रियों का उपयोग करती है। लेडी जस्टिस, जिसे जस्टिटिया के नाम से भी जाना जाता। जानकारी के लिए बता दें कि न्याय की देवी वास्तव में यूनान की प्राचीन देवी हैं इन्हें न्याय का प्रतीक कहा जाता है, जिसका नाम जस्टिया है। क्या सचमुच इस परिवर्तन से न्याय व्यवस्था बदलेगी। जहां तक अब तक पिछले दस सालों में हुए न्याय पर दृष्टिपात करें तो पाते हैं सब गोलमाल है भई सब गोलमाल है। नया स्टेच्यू लगाने से लेशमात्र भी परिवर्तन नहीं होने वाला है अब तो खुली आंखों से भी भरोसा उठ गया है। वरना दुष्कर्मियों का सम्मान और गौरी लंकेश के जमानत पर आए हत्यारों का ऐसा स्वागत गुनाह होता।

-सुसंस्कृति परिहार की फेसबुक वॉल से

अमेरिकी चुनाव में भारतीय फैक्टर

शाहीन सबा

अमेरिका के राष्ट्रपति की कुर्सी पर चाहे रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप बैठे या फिर डेमोक्रेट कमला हैरिस, दोनों के लिए भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों को साधे रखना जरूरी भी है, क्योंकि अमेरिका की आर्थिक व्यवस्था में ये वर्ग बहुत प्रभावशाली है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की तारीख नजदीक आ रही है। देश के 50 राज्यों के मतदाता मतदान के जरिए अगले चार साल के लिए राष्ट्रपति चुनेंगे। 5 नवंबर को होने वाले चुनाव में मतदाता अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस के सदस्यों के लिए भी मतदान करेंगे। कांग्रेस सदस्य कानूनों को पारित करने में अहम भूमिका निभाते हैं। यह मुकाबला मौजूदा उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप के बीच होना है। इस चुनाव में जीतने वाला व्यक्ति व्हाइट हाउस से देश का नेतृत्व करेगा। राष्ट्रपति का कार्यकाल जनवरी 2025 से शुरू होकर चार साल चलेगा। राष्ट्रपति के पास कुछ कानून स्वयं पारित करने की शक्ति है, लेकिन अधिकांशतः उन्हें कानून पारित करने के लिए संसद के साथ मिलकर काम करना पड़ता है।

अमेरिकी मीडिया की मानें तो इस बार इन चुनावों में इंडिया फैक्टर छाया हुआ है। जीते कोई भी पर व्हाइट हाउस में भारतीय मूल का दाखिला तय है। अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल के नेताओं के प्रभाव पर जो चर्चा अमेरिका में आज चल रही है, उम्मीद है कि वह अगले कुछ दशकों तक चलेगी। अमेरिका में 'इंडिया इम्पैक्ट', इंडिया फैक्टर संबंधी यह चर्चा उनकी जीत के बाद और आगे भी होती रहेगी कि अमेरिकी राजनीति में भारतीयों का साफ दिखता असर पर्याप्त तेजी से बढ़ रहा है, वह आगे क्या रंग लाएगा। फिलहाल, यह तो तय है कि अगर ट्रंप जीतते हैं तो उप राष्ट्रपति जेडी वेंस की पत्नी के रूप में भारतीय मूल की उषा वेंस व्हाइट हाउस में रहेंगी और अगर उपराष्ट्रपति बनने वाली पहली भारतीय मूल की महिला कमला हैरिस चुनाव में जीत हासिल करती हैं, तो वे भी राष्ट्रपति भवन में भारतीय मूल का प्रतिनिधित्व करेंगी। सबब यह कि व्हाइट हाउस में किसी भारतीय अमेरिकी का पहुंचना तय है। अमेरिका के सेंसस ब्यूरो के मुताबिक 2020 में भारतीय मूल के अमेरिकियों की संख्या 44 लाख से ज्यादा और 2023 में ४८ लाख थी, जबकि अन्य स्रोत कहते हैं कि यह संख्या इस साल 52 लाख पार कर चुकी है, जिसमें से 26 लाख से ज्यादा मतदाता हैं। भारतीय मूल के मतदाता कुल अमेरिकी मतदाता के करीब डेढ़ फीसदी ही हैं, लेकिन ये एक महत्वपूर्ण वोटिंग ब्लॉक हैं। विश्लेषक कहते हैं कि यहां के चुनावी गणित के अनुसार इतने मतदाता बहुत महत्व रखते हैं। इन्हीं के चलते भारतीय अमेरिकी समुदाय का असर सीनेट चुनावों में बढ़ा है। इस चुनाव के नतीजों पर भारतीय अमेरिकियों का असर साफ दिखेगा।

भारतीय अमेरिकी यहां की राजनीति में इसलिए अधिक प्रभावी हैं क्योंकि भारतीय मूल के लोगों को प्रवासियों के बीच में सबसे ज्यादा शिक्षित और प्रभावशाली समझा जाता है। इनका व्यावसायिक और सामाजिक दायरा भी विस्तृत है। वॉशिंगटन में भारतीय अमेरिकियों की कुल आबादी का मात्र 2 फीसदी है, लेकिन राजनीति और प्रशासन में भारतीय अमेरिकी 5 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी है। भारतीय अमेरिकियों की औसत घरेलू आय लगभग 1.53.000 अमेरिकी डॉलर है, यह कमाई दूसरे समुदायों की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा है। निःसंदेह यह संपन्न समुदाय पार्टियों को चंदा देने तथा राजनीतिक सक्रियता में भी आगे हैं। दक्षिण एशियाई देशों के यथा पाकिस्तान, बांग्लादेश वगैरह के मतदाताओं पर भी भारतीय मतदाताओं के रुझान का असर होता है। उनके झुकाव का आंशिक ही सही पर अफ्रीकी, हिस्पैनिक, चीनी मतदाताओं पर भी असर पड़ता है। कुल मिलाकर भारतीय मतदाता अमेरिकी राजनीति और वहां के चुनावों को अब इस स्तर पर प्रभावित कर रहे हैं, जो महज सैद्धांतिक और आंकड़ों तक ही सीमित नहीं, बल्कि व्यावहारिक स्तर पर दिखने लगा है और कई महत्वपूर्ण तथा बड़े राज्यों में उनकी पकड़ से साफ नजर आने लगा है, वे परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं। आखिर लोकतंत्र कहीं का भी हो, चुनाव प्रक्रिया में भले ही कुछ अंतर हो, प्रणाली में परिवर्तन हों लेकिन अंततः लोकतंत्र संख्याओं का ही खेल है।

अमेरिका में भारतीयों की संख्या ही नहीं सक्रियता भी बढ़ी है। 2015 में रिपब्लिकन हिंदू कोअलिशन या आरएचसी गठित हुई तो 2016 में इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट'। बाद में ऐसे ही कुछ और संगठन बने जो भारतीय मूल के अमेरिकी नेताओं के लिए सर्वे, पार्टी के लिए वालंटियर्स बनाने, चुनावी रणनीति बनाने, प्रचार में मदद करने, भारतीय अमेरिकी मतदाताओं को वोट डालने के लिए प्रेरित करने लगे हैं।सबसे बड़ी बात यह कि वे इन नेताओं के लिए चुनावी फंड भी जुटाते के आलावा भारत से कलाकार बुलाकर इस वर्ग को आकर्षित करना हो या अपने झुकाव के अनुसार, रिपब्लिकन अथवा डेमोक्रेट के नेताओं का कार्यक्रम कराकर अपने मतदाताओं को प्रभावित करना हो, ये बड़े जोर-शोर से कर रहे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी ने दक्षिण एशियाई मतदाताओं का समर्थन पाने के लिए इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट जैसे संगठनों की भारी मदद ली है, इस बार 'लोटस फॉर पोटस' यानी अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए कमल माने कमला का नारा इन्हीं की कोशिशों से चल निकला। रिपब्लिकन हिंदू कोअलिशन पहले ट्रंप के साथ था, पर इस बार यह कमजोर है, उसके बावजूद इसके प्रभाव से इंकार नहीं किया जा सकता। कमला हैरिस के समर्थन में चित्तियों यानी चाची मौसियों से बना 250 चित्तियों की 'चित्ती ब्रिगेड' ने बहुत काम किया है।

बताया जाता है कि अमेरिकी राजनीति में अमेरिकी भारतीयों का दखल 1950 से ही था, 1957 में दिलीप सिंह सौंद रिपब्लिकन से तो तकरीबन पांच दशक बाद 2005 में बॉबी जिंदल डेमोक्रेट से अमेरिकी कांग्रेस में आए। लेकिन असली जलवा तो 2013 के बाद शुरू हुआ जब अमेरिकी राजनीति के आसमान पर कई भारतीय अमेरिकी चमके। अमी बेरा 2013 में डेमोक्रेट से कांग्रेस के लिए चुने गए और पिछले दस साल से कैलिफोर्निया के छठे डिस्ट्रिक्ट से लगातार जीतते आ रहे हैं या फिर 2017 में सांसद बनी प्रमीला जयपाल जिन्होंने अपनी सीट लगातार चार बार जीती है, इसके अलावा रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, कमला हैरिस अथवा 2023 में श्री थानेदार का अमेरिकी संसद में प्रवेश बताता है कि भारतीयों का दबदबा है।

अमेरिका के राष्ट्रपति की कुर्सी पर चाहे रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप बैठे या फिर डेमोक्रेट कमला हैरिस, दोनों के लिए भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों को साधे रखना जरूरी भी है, क्योंकि अमेरिका की आर्थिक व्यवस्था में ये वर्ग बहुत प्रभावशाली है। अगर डेमोक्रेट कमला हैरिस व्हाइट हाउस पहुंचने में कामयाब रहीं तो उनके सामने भी बाइडन प्रशासन की नीतियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी। ऐसे में उनके मौजूदा कूटनीतिक ट्रैक से इधर-उधर होने के चांस कम हैं। डोनाल्ड ट्रंप से भी प्रधानमंत्री मोदी की केमेस्ट्री बेहतर रही है। लेकिन, बड़ी चिंता इस बात की है कि दुनिया में चल रहे तनाव और युद्ध को कम करने में अमेरिका के नए राष्ट्रपति की भूमिका कैसी रहेगी? वो दुनिया में युद्ध की आग को और भड़काने या बुझाने में भूमिका निभाएगा।

अमृतवाणी

प्रभु का प्रेम

एक संत ने एक रात स्वप्न देखा कि उनके पास एक देवदूत आया है। देवदूत के हाथ में एक सूची थी। उसने कहा, 'यह उन लोगों की सूची है, जो प्रभु से प्रेम करते हैं।' संत भी रात-दिन प्रभु से प्रेम प्रदर्शित करने के लिए उसकी भक्ति में लीन रहता था। संत ने कहा, 'मैं भी प्रभु से प्रेम करता हूं। मेरा नाम तो इसमें अवश्य होगा।' देवदूत बोला, 'नहीं, इसमें आप का नाम नहीं है।' संत उदास हो गए। फिर उन्होंने पूछा, 'इसमें मेरा नाम क्यों नहीं है? मैं ईश्वर से ही प्रेम नहीं, करता बल्कि गरीबों से भी प्रेम करता हूं। मैं अपना अधिकतर समय निर्धनों की सेवा में लगाता हूं। उसके बाद जो समय बचता है, उसमें प्रभु का स्मरण करता हूं।' तभी संत की आंख खुल गई। दिन में वह स्वप्न को याद कर उदास थे। एक शिष्य ने उदासी का कारण पूछा तो संत ने स्वप्न की बात बताई और कहा, 'लगता है सेवा करने में कहीं कोई कमी रह गई है।' दूसरे दिन संत ने फिर वही स्वप्न देखा। वही देवदूत फिर उनके सामने खड़ा था। इस बार भी उसके हाथ में कागज था। संत ने बेरुखी से कहा, 'अब क्यों आए हो मेरे पास? मुझे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए।' देवदूत ने कहा, 'आपको प्रभु से कुछ नहीं चाहिए, लेकिन प्रभु का तो आप पर भरोसा है। इस बार मेरे हाथ में दूसरी सूची है।' संत ने कहा, 'तुम उनके पास जाओ जिनके नाम इस सूची में हैं। मेरे पास क्यों आए हो?' देवदूत बोला, 'इस सूची में आप का नाम सबसे ऊपर है।' यह सुन कर संत को आश्चर्य हुआ। बोले, 'क्या यह भी ईश्वर से प्रेम करने वालों की सूची है।' देवदूत ने कहा, 'नहीं, यह वह सूची है, जिन्हें प्रभु प्रेम करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने वाले तो बहुत हैं, लेकिन प्रभु उसको प्रेम करते हैं, जो गरीबों से प्रेम करते हैं। प्रभु उसको प्रेम नहीं करते जो दिन रात कुछ पाने के लिए प्रभु का गुणगान करते रहते हैं।' वास्तव में वही प्रभु का प्रेमी है, जो गरीबों की मदद करता है।

तीखी नजर

दीपावली पर चिंता करते रायचंद

विनोद विक्की

भारत में अवतरित होने वाला हर इंसान पैदाइशी नेता और डॉक्टर होता है। यदि दोनों में से कुछ नहीं, तो मुफ़्त की सलाह देने वा्ला रायचंद अवश्य ही होता है। मेडिकल साइंस और पालिटिकल साइंस पढ़े बिना ही, सामने वाले बीमार व्यक्ति को रोग में घरेलू नुस्खा देने या उपचार बताने का और सरकार की नीतियों में मीन मेख निकालने का गुण और तजुर्बा इन्हें प्राकृतिक रूप से प्राप्त होता है। आज के प्रसंग में ऐसे ही सीजनल शुभचिंतक बुद्धिजीवी अथवा ज्ञानीमानव वर्ग की चर्चा करने वाला हूं, जो सर्वजन हिताय बहुजन सुखाय हेतु साल में दो बार ही सक्रिय होते हैं। सीजनल शुभचिंतक अर्थात कुंभकर्ण के मौसेरे भाई की अंतरात्मा साल में दो बार जगती है। पहली बार होली में तथा दूसरी बार दीपावली में। इन अवसरों पर पर्यावरण के नुकसान की चिंता का एपिनेफ्रीन हार्मोन इनके रक्त और मूत्र में समान रूप से प्रवाहित होने लगता है। इनके ज्ञान कटोरा से बुद्धि धारा का छह मासिक स्राव होने लगता है।

जलवायु अर्थात जल और वायु के प्रति संवेदनशील ऐसे प्रकृति प्रेमी होली में जल संरक्षण कैंपेन को प्रोत्साहित करने के लिए लहेरियासराय बन कर लहराते हुए वाटरलेस होली की पैरोकारी करते हैं, जबकि दीपावली के अवसर पर ध्वनि और वायु प्रदूषण को लेकर गौतम गंभीर बन जाते हैं। सरकारी कुव्यवस्था अथवा आमजन की उदासीनता से स्टेशन, बस स्टैंड सहित सड़कों के किनारे यत्र-तत्र सरकारी नलकों से बेवजह लगातार बह रहे पानी से इनके रक्त में उतना उबाल नहीं आता जितना होली में रंग और पानी के मिश्रण को देख कर आता है। सालों भर फैक्ट्री, वाहनों, सिगरेट, सिगार आदि से निकलने वाले धुएं तथा मानवजन्य प्रदूषण से इन्हें कभी एलर्जी नहीं होती, किंतु दीपावली के पटाखों से निकलने वाले धुआं से इनका अस्थमा अंतिम स्टेज में पहुंच जाता है। होली में पानी के प्रयोग और दीपावली में पटाखों के प्रयोग पर इनका दिल, दिल्ली बन दहाड़ने लगता है और यह रोपड़ बन कर रो पड़ते हैं। होली में रंग नहीं खेलने और दिवाली में पटाखे न फोड़ने का नेक सलाह एवं उनसे होने वाले वैश्विक नुकसान का मैनिफेस्टो सोशल मीडिया पर जारी करना प्रारंभ देते हैं।

शुक्र है कि दीपावली पर दीप जलाने से ग्लेशियर के पिघलने, सड़कों अथवा घर के आंगन में रंगोली बनाने से मृदा प्रदूषण बढ़ने तथा मिठाइयां बांटने पर वैश्विक स्तर पर ब्लड शुगर फैलाने की चिंता जाहिर करते हुए जागरूक शुभचिंतकों ने अब तक इन पर अंकुश की मुहिम को नहीं छेड़ी है। कुछ इसी तरह सालों भर विदेशी शराब से लेकर विदेशी वस्तुओं का जमकर दोहन करने वाले ऐसे सीजनल रायचंद भी हैं, जिनका स्वदेश प्रेम दीपावली के दौरान जाग जाता है और यह चाइनीज कैंडल के बहिष्कार एवं स्वदेशी के प्रचार में तन्मयता से लग जाते हैं। ऐसे सीजनल शुभचिंतक गली-मोहल्ले की बजाय सोशल मीडिया पर बहुतायत मात्रा में पाये जाते हैं।

नजरिया

पूंजी प्रधान होते हमारे पर्व-त्योहार

योगेश कुमार गोयल

प्रकाश पर्व दीवाली पर पहले जो सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिलता था, अब वो देखने को कम मिलता है। लोगों के बीच पहले इस अवसर पर जो सौहार्द देखा जाता था, वह खत्म सा हो गया लगता है और दीवाली पर पूरी तरह आधुनिकता हावी नजर आती है।

आपसी मेल-जोल, सामूहिकता और आनंद को भूलकर अब हमारे त्योहार पूंजी के प्रदर्शन पर ज्यादा निर्भर हो गए हैं। क्या फर्क आया है पारंपरिक और आधुनिक उत्सवों में? समाज में जैसे-जैसे आधुनिकता का समावेश हो रहा है, वैसे-वैसे हमारे तीज-त्यौहारों पर भी उसका प्रभाव स्पष्ट देखा जा रहा है। दीवाली जैसा हमारा पारम्परिक त्योहार भी आधुनिकता की चपेट से नहीं बच पाया है। पहले लोग दीवाली के दिन श्रद्धापूर्वक अपने घर के अंदर व बाहर सरसों तेल अथवा घी के दीये जलाते थे और रात के समय सपरिवार पूजन में शामिल होते थे लेकिन अब प्रतीकात्मक कुछ दीये जलाने की रस्म निभाने के साथ मोमबत्तियों व रंग-बिरंगी लाइटों का इस्तेमाल होने लगा है। पूजन तथा घर में खाने के लिए तरह-तरह के पकवान घरों में ही बनाए जाते थे लेकिन अब बाजार की मिठाईयों व ड्राई-फ्रूट्स का चलन हो गया है। हल्के पटाखों की जगह कानफोडू और अत्यधिक जहरीला धुआं उगलने वाले पटाखों ने ले ली है। हर तरफ दिखावे की होड़ और उपहार संस्कृति नजर आने लगी है।

एक विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती कुसुम शंकर कहती हैं कि पहले लोगों में अपने घर में अधिक से अधिक दीये जलाने और घर की मुंडेर पर दीयों की कतार सजाने के लिए अपार उत्साह देखा जाता था। लोग दीये जलाने के लिए प्रायः बच्चों के हाथों से ही रूई की बाती बनवाते थे लेकिन दीयों के लिए बाती भी अब बाजार से रेडीमेड मिलती है और लोगों में दीयों के बजाय रंग-बिरंगी मोमबत्तियों व इलैक्ट्रॉनिक लाइटों के प्रति आकर्षण बढ़ गया है। कुसुम शंकर बताती हैं कि वे स्वयं भी अब एक बड़ा दीया जलाकर दीवाली मना लेती हैं।

कुछ समय पहले तक लोग अपने घरों में इकट्ठे दीवाली मनाते थे लेकिन अब हाई सोसायटी के लोगों में तो दीवाली भी क्लबों में जाकर मनाने का चलन बढ़ गया है, जहां दिखावे की होड़ होने लगी है कि कौन कितनी फैशनेबल ड्रैस और कितने कीमती गहने पहने हुए है। उपहारों का चलन तो इतना बढ़ गया है कि प्रतिस्पर्धा के इस युग में हर जगह दीवाली पर महंगे-महंगे उपहार देकर बॉस को खुश करने की होड़ देखी जाती है। बाजार की मिठाईयों का चलन बढ़ने के कारण दीवाली के अगले दिन बहुत से लोगों के गले खराब नजर आते हैं क्योंकि बाजार की मिठाईयां शुद्ध नहीं रही।

दीवाली के बदलते अंदाज पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बैंक अधिकारी एसके नागपाल कहते हैं कि पहले जहां आस-पड़ोस में एक-दूसरे के घर जाकर मिठाइयां भेंट करके बधाई देने की परम्परा थी और आपसी मेलजोल तथा भाई-चारे का माहौल देखने को मिलता था, वहीं अब लोग आस-पड़ोस में मिठाइयां या उपहार बांटने के बजाय उन्हीं लोगों को उपहार देते हैं, जिनसे उनका कोई लाभ हो और उपहारों में भी मिठाइयों का चलन तो खत्म हो गया है। मिठाइयों की जगह अब महंगे ड्राई फ्रूट्स अथवा महंगे-महंगे उपहार दिए जाते हैं।

पहले जहां धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परम्परा थी, वहीं अब लोग बर्तन खरीदने के बजाय विभिन्न स्कीमों का लाभ उठाकर इस अवसर पर फ्रिज, टीवी, एसी इत्यादि खरीदते हैं। नागपाल मानते हैं कि अब दीवाली पर दिखावा ज्यादा बढ़ गया है और उसी के अनुरूप खर्च भी बढ़ रहा है। वे बताते हैं कि देश के प्रमुख बैंक अब दीवाली पर लोगों की खुशियों को पूरा करने में उनके सहभागी बन रहे हैं। लोग चूंकि दीवाली पर काफी खरीददारी करते हैं और इस अवसर पर काफी पैसों की भी जरूरत होती है, इसलिए बैंक इस मौके पर 'फेस्टीवल बोनान्जा' इत्यादि विभिन्न आकर्षक योजनाएं शुरू करते हैं, जिसके तहत बैंकों से नवरात्र के समय से दिसम्बर के अंत तक लिए जाने वाले कर्ज पर ब्याज में कुछ छूट प्रदान की जाती है।

दिल्ली में सरकारी नौकरी कर रहे गुड़गांव के राकेश खुराना कहते हैं कि दीवाली पर अब उपहारों के आदान-प्रदान का चलन इतना बढ़ गया है कि उपहार बांटने का सिलसिला दीवाली से 15-20 दिन पहले ही शुरू हो जाता है और दीवाली के दिन तक चलता है। उपहार बांटने की कवायद में काफी धन खर्च करने के साथ-साथ इस दौरान व्यक्ति मानसिक व शारीरिक तौर पर इतना थक जाता है कि उसमें दीवाली की औपचारिकताएं निभाने की सामर्थ्य ही नहीं बचती। किराना व्यापारी अजेश कुमार कहते हैं कि पहले दीवाली पर खील, बताशे व चीनी के बने खिलौने खूब बिकते थे और लोग लक्ष्मी पूजन में भी इनका उपयोग किया करते थे लेकिन अब मिठाइयों का चलन इतना बढ़ गया है कि इन सब चीजों का चलन बेहद कम रह गया है। पूजन भी अब मिठाइयों से ही होने लगा है। हर चीज बदल गई है।

रंग-बिरंगी रोशनियों वाले पटाखों की तरफ लोग जरूर पहले से भी ज्यादा आकर्षित हो रहे हैं और ज्यादातर ऐसे पटाखों का चलन बढ़ रहा है जो धमाकेदार आवाज के साथ-साथ आसपास के माहौल को भी कुछ पलों के लिए रंगीन बना दें लेकिन इनके कारण पर्यावरण को कितना भयानक नुकसान हो रहा है और लोगों में इसी प्रदूषण के कारण कितनी तरह की खतरनाक बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है, इससे जानबूझकर अनजान बने रहते हैं। बहरहाल, प्रकाश पर्व दीवाली पर पहले जो सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिलता था, अब वो बात नहीं रही। लोगों के बीच पहले इस अवसर पर जो सौहार्द देखा जाता था, वह खत्म सा हो गया लगता है और दीवाली पर पूरी तरह आधुनिकता हावी नजर आती है। पाश्चात्य संस्कृति में रंगे बहुत से युवा भी अब दीवाली पर अपने परिवारजनों के साथ पूजा-पाठ में भाग न लेकर क्लबों व पार्टियों में इस अवसर पर अपने तरीके से जश्न मनाते हैं।

सार संक्षेप

भारतीय टीम की अगुआई को लेकर बेहद उत्साहित हूं: रोबिन उथप्पा

हांगकांग : एक नवंबर से शुरु होने वाले हांगकांग सिक्सेस 2024 में भारतीय टीम की अगुआई करने जा रहे दाएं हाथ के बल्लेबाज रोबिन उथप्पा ने कहा कि वह टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित है। उथप्पा ने कहा कि मैं हांगकांग सिक्सेस 2024 का हिस्सा बनने को लेकर बेहद उत्साहित हूं और भारतीय टीम की अगुआई करना सम्मान की बात है। एक, दो और तीन नवंबर को आपको कुछ बेहतरीन क्रिकेट मैच देखने को मिलेंगे। भारतीय टीम में केदार जाधव, मनोज तिवारी, स्टुअर्ट बिन्नी, श्रीवत्स गोस्वामी, भरत चिपली और शाहबाज नदीम जैसे खिलाड़ी शामिल है। टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपना पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगी। चिपली और गोस्वामी ने भी खेल के इस फटाफट प्रारूप में भारत के लिए खेलने पर अपनी खुशी व्यक्त की। चिपली ने कहा कि हांगकांग सिक्सेस 2024 में भारत के लिए खेलना एक शानदार एहसास है,इसमें कुछ रोमांचक मुकाबले और मनोरंजक प्रदर्शन देखने को मिलेगा। गोस्वामी ने कहा कि हांगकांग सिक्सेस खेल का एक विशिष्ट प्रारूप है और मैं भारत के लिए खेलने करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। ऑलराउंडर स्टुअर्ट बिन्नी ने कहा कि हांगकांग सिक्सेस 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व करने को लेकर रोमांचित हूं और दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने को लेकर उत्साहित हूं।

हिमाचल प्रदेश में सड़क हादसे में एक की मौत, पांच घायल

शिमला: दिवाली से पहले हिमाचल प्रदेश के रोहड़ू उपमण्डल के चिड़गांव थाना क्षेत्र में जीप के खाई में लुढ़कने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी जबकि चालक सहित पांच अन्य घायल गये है। हादसे में मारे गये व्यक्ति की पहचान सोलन निवासी पुनीत शांडिल के रूप में हुई है। यह हादसा मंगलवार देर रात जंगलिख नामक स्थान पर हुआ है। पुलिस सूत्रों के अनुसार चौपाल निवासी मुकेश ने पुलिस में शिकायत दी कि 29 अक्टूबर को वह पुनीत शांडिल के साथ अपने वाहन में शिमला से जंगलिख की ओर जा रहे थे। जंगलिख पुल के पास उन्होंने अपनी गाड़ी साइड में लगा कर बोलेरो कैम्पर में लिफ्ट ली। बोलेरो को जंगलिख निवासी हैमराज चला रहा था। बोलेरो में छह लोग सवार थे। शिकायतकर्ता के मुताबिक वह और पुनीत बोलेरो के पिछले हिस्से में बैठे थे। रात करीब 11 बजे मोड़ पर चालक की लापरवाही से बोलेरो दुर्घटना ग्रस्त होकर 500 मीटर गहरी खाई में गिर गयी। इस दुर्घटना में पुनीत शांडिल की मौत हो गयी। पुलिस के मुताबिक हादसे में घायल पांच लोगों को संदासू अस्पताल में उपचार चल रहा है और सभी की हालत खतरे से बाहर है।

आप नेताओं ने भाजपा के खिलाफ चंडीगढ़ में किया प्रदर्शन

चंडीगढ़: आदमी पार्टी (आप) ने बुधवार को धान खरीद और धीमे उठान की समस्या पर केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के खिलाफ चंडीगढ़ में बड़ा प्रदर्शन किया। चंडीगढ़ में भाजपा दफ्तर का घेराव करने जा रहे आप नेताओं को चंडीगढ़ पुलिस ने हिरासत में ले लिया और रोकने के लिये उन पर वाटर कैनन से पानी की बौछारें कीं। आप नेताओं की पुलिस के साथ धक्का-मुक्की और झड़प भी हुई। झड़प के दौरान मंत्री हरजोत बैंस की पगड़ी उतर गयी, जिस पर विवाद और बढ़ गया। इसके विरोध में आप नेताओं ने चंडीगढ़ पुलिस और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

भगवान महावीर के संदेश और आदर्शों को आत्मसात करने की जरूरत : मंत्री

राजगीर: बिहार के संसदीय कार्य एवं जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने आज कहा कि भगवान महावीर के संदेश और आदर्शों को आत्मसात करने की जरूरत है। मंत्री विजय कुमार चौधरी ने आज नालंदा के पावापुरी में जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर की 2550 वां निर्माण महोत्सव के अवसर पर पावापुरी महोत्सव का शुभारंभ करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भगवान महावीर के आदर्श को लागू करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर मदिरा पान से परहेज करने की बात किया करते थे, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में शराबबंदी को लागू किया। उन्होंने कहा कि नालंदा सभी धर्म का तीर्थ स्थल है। नालंदा प्राचीन काल से अध्यात्म और ज्ञान की धरती रही है।

राजस्थान विधानसभा उपचुनाव में 69 प्रत्याशी लड़ रहे हैं चुनाव

जयपुर: राजस्थान में आगामी 13 नवंबर को होने वाले सात विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में नामांकन वापसी के बाद अब 69 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि नामांकन वापस लेने के अंतिम दिन बुधवार तक 15 प्रत्याशियों ने अपने नामांकन पत्र वापस ले लेने के बाद अब उपचुनाव में 69 उम्मीदवार रह गये हैं जिनमें दस महिला प्रत्याशी है। बुधवार को नामांकन वापसी के अंतिम दिन 10 उम्मीदवारों अपने नामांकन-पत्र वापस लिए हैं।

खेल मंत्री के आवास के बाहर पहुंचे कई पहलवान

एक बार फिर से देश के पहलवान खेल मंत्री के आवास के बाहर प्रदर्शन करने पहुंच गए हैं। कुछ समय पहले विनेश फोगाट, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के खिलाफ धरने पर बैठे थे। खिलाड़ी वर्ल्ड चैंपियनशिप में हिस्सा लेना चाहते हैं लेकिन रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के हाल के फैसले से ये संभव नहीं है। ऐसे में खिलाड़ियों ने दोबारा गुहार लगाई है। रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया यानी डब्ल्यूएफआई ने गुरुवार को सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप से भारतीय टीम को हटा लिया था। उन्होंने वर्ल्ड संचालन संस्था यानी वह को सूचित किया कि खेल मंत्रालय उसकी स्वायत्तता में दखलअंदाजी कर रहा है। पहलवान फेडरेशन के इस फैसे के खिलाफ हैं।

अफ्रीका ने कसा शिकंजा

द. अफ्रीका ने छह विकेट पर 575 के स्कोर पर पारी घोषित की

बांग्लादेश ने पहली पारी में चार विकेट खोकर बनाए 38 रन

● चटगांव,

टोनी डीजॉर्जी (177), ट्रिस्टन स्टब्स (106) और वियान मुल्डर (105) रन के शतकीय प्रहार से दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन बुधवार को दक्षिण अफ्रीका ने छह विकेट पर 575 के विशाल स्कोर पर पारी घोषित करने बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत बांग्लादेश के 38 रन पर चार विकेट झटकर मैच पर अपना शिकंजा कस लिया है।

दिन के आखिरी सत्र में दक्षिण अफ्रीका के 575 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश ने अपना पहला विकेट पहले ही ओवर में 10 रन के स्कोर पर शादमान इस्लाम (00) का विकेट गवां दिया। उसे कगिसो रबाडा ने आउट किया। इसके बाद पांचवें ओवर में रबाडा ने जाकिर हसन (02) को पवेलियन भेज दिया। अगले ही ओवर में डेन पैटरसन ने महमुदुल हसन जॉय (10) को मारक्रम के हाथों कैच आउट करा दिया। सातवें ओवर में केशव महाराज ने हसन महमूद (03) को बोल्ड आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय बंगलादेश ने चार विकेट पर 38 रन बना लिए है और मोमिनुल हक (नाबाद 06) और नजमुल शान्तो (नाबाद 04) रन बनाकर क्रीज पर थे। बांग्लादेश अभी भी दक्षिण अफ्रीका से पहली पारी के आधार पर 537 रन पीछे है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाडा ने दो विकेट लिए। डेन पैटरसन और केशव महाराज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार के दो विकेट पर 307 रनों से आगे खेलना शुरु किया। तैजुल ने डेविड बेडिंघम (59) को आउट कर बुधवार का पहला विकेट लिया। इसके बाद तैजुल ने दोहरे शतक की ओर बढ़ रहे टोनी डीजॉर्जी (177) को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। काइल वेरेन (00) और रायन रिकलटन (12) रन बनाकर आउट हुए। वियान मुल्डर और सेनुरन मुथुसामी ने शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए टीम के लिए रन बटोरे। पारी घोषित किए जाने के समय वियान मुल्डर (नाबाद 105) और सेनुरन मुथुसामी (नाबाद 68) क्रीज पर मौजूद थे। दक्षिण अफ्रीका ने दिन के आखिरी सत्र में 144.2 ओवर में छह विकेट पर 575 के स्कोर पर पारी घोषित की। बांग्लादेश की ओर से तैजुल इस्लाम पांच विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। वहीं नाहिद राणा ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

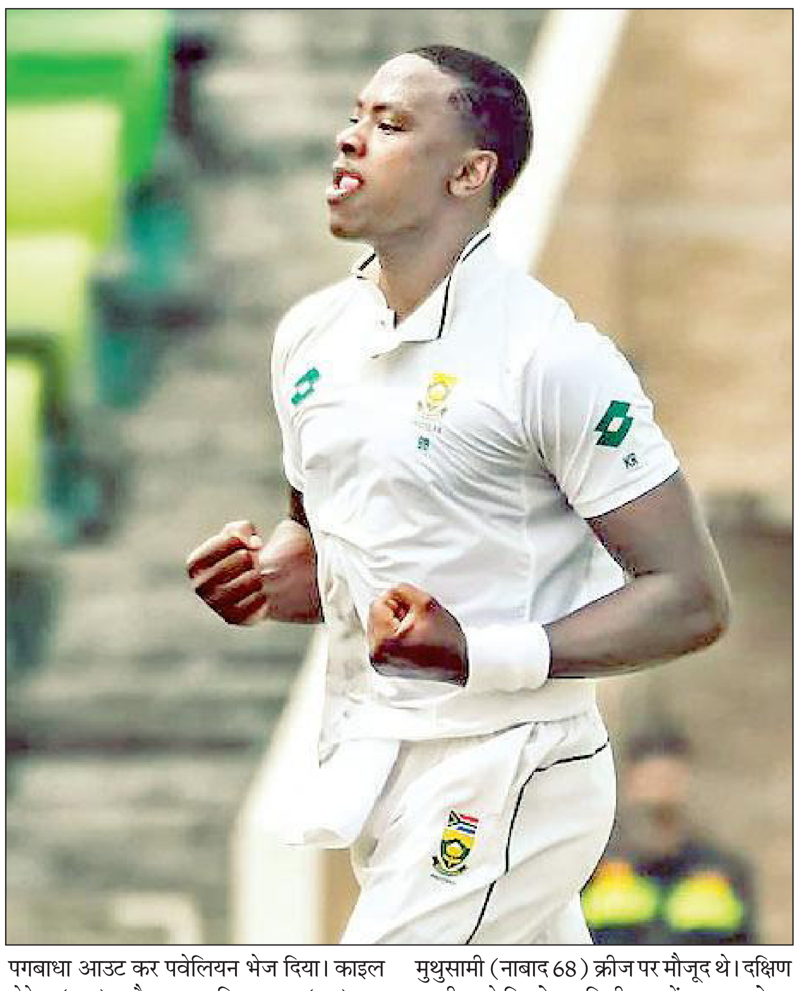

मुंबई टेस्ट में पहले दिन से टर्न देखने को मिलेगा

भारतीय टीम ऐसी ही पिच चाहती है, 1 नवंबर से तीसरा मैच

● मुंबई,

मुंबई टेस्ट में पहले दिन से स्पिनर्स का दबदबा देखने को मिलेगा। भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के आखिरी मुकाबले के लिए रैंक-टर्नर (पहले दिन से स्पिनर्स के लिए मददगार) पिच की मांग की है।

रिपोर्ट में दावा किया है कि भारतीय टीम मैनेजमेंट आजमाए हुए फॉर्मूले पर चलना चाहता है। बता दें कि भारतीय टीम ने पुणे टेस्ट के लिए भी स्पिन फ्रेंडली पिच बनवाई थी, लेकिन टीम इंडिया को 113 रन की पराजय झेलनी पड़ी थी। टीम इंडिया 3 मैचों की सीरीज में 2-0 से पिछड़ रही है। पुणे में रैंक टर्नर नहीं, स्लो टर्निंग पिच बनी थी एक सूत्र ने कहा कि यह रैंक टर्नर पिच होगी। टीम प्रबंधन ने ऐसी पिच तैयार करने का अनुरोध किया है, जो पहले दिन से ही स्पिनर्स की मदद कर सके। ऐसा लगता है कि टीम आजमाए हुए फॉर्मूले पर चलना चाहती है। वानखेड़े की पिच पर बल्लेबाजी करना कठिन होगा। क्योंकि लाल मिट्टी से बनी इस पिच पर स्पिन और उछाल का मिश्रण देखने को मिलेगा। असामान्य उछाल बल्लेबाजों को परेशान कर सकता है। 29 अक्टूबर तक पिच में घास नहीं थी। यहां ग्राउंड स्टाफ नियमित रूप से स्प्रिंकलर से पानी छोड़ रहा है। साथ ही पिच को सुखाने के लिए खुला छोड़ा गया है। मुकाबले के पहले सेशन में स्पिनर्स को टर्न मिल सकता है। तेज गेंदबाजों को भी थोड़ा मूवमेंट मिलेगा। पुणे में स्लो टर्निंग ट्रैक था, असमान्य उछाल ने भी परेशान किया पुणे टेस्ट में रैंक टर्नर पिच नहीं थी। यह एक स्लो टर्निंग पिच थी। हालांकि, मैच आगे बढ़ने के साथ पिच में असमान्य उछाल मिलने लगा, जिसने भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया था। इस मुकाबले में भारतीय टीम के 20 में से 19 बल्लेबाजों को कीवी स्पिनर्स ने आउट किया, इनमें से 13 विकेट अकेले मिचेल सैंटनर ने लिए थे। मुकाबले में भारतीय स्पिनर्स ने भी 19 विकेट झटके थे। एक बल्लेबाज रनआउट हुआ था।

फजल 500 टैकल पॉइंट हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी

हैदराबाद, वार्ता: बंगाल वॉरियर्स के कप्तान फजल अत्राचली प्रो कबड्डी लीग के इतिहास में 500 टैकल पॉइंट हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। सुल्तान के नाम से मशहूर फजल ने मंगलवार को हैदराबाद के गाचीबोवली में जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में पीकेएल सीजन 11 में गत चैंपियन पुनेरी पल्टन के खिलाफ मैच में 500 के जादुई आंकड़े को छुआ। फजल बंगाल वॉरियर्स टीम के कप्तान हैं और इस सीजन में अब तक खेले गए चार मैचों में उन्होंने कुल 15 अंक बनाए हैं। कुल मिलाकर, फजल ने पीकेएल में 173 मैच खेले हैं और 509 अंक बनाए हैं। ईरानी दिग्गज, जिन्हें पीकेएल सीजन 11 प्लेयर ऑक्शन में बंगाल वॉरियर्स ने खरीदा था, पीकेएल के इतिहास में सबसे सफल कप्तान हैं और इस सीजन में उन्होंने बंगाल वॉरियर्स का शानदार नेतृत्व किया है। सुल्तान ने डिफेंसिव यूनिट की कमान जोश के साथ संभाली है और इस सीजन में अब तक के सबसे शांत और सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। 32 वर्षीय खिलाड़ी पीकेएल में सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं और उन्होंने दो बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है। बेहद शानदार और गतिशील डिफेंडर ने अपने पहले साल में ही पीकेएल में चैंपियन का खिताब जीता था।

मुख्य कोच एंड्रयू के अनुबंध का विस्तार

सिडनी, वार्ता: ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट ने मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड के अनुबंध का विस्तार वर्ष 2027 के आखिर तक कर दिया है। अब उन पर टीम के एकदिवसीय विश्वकप खिताब के बचाव के साथ-साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अगले चरण में भी मार्गदर्शन की जिम्मेदारी रहेगी। मैकडोनाल्ड को शुरू में 2022 में चार साल के अनुबंध पर टीम का कोच नियुक्त किया गया था जो कि 2026 के मध्य तक था। अब यह 2026-27 के दिसंबर और जनवरी में न्यूजीलैंड के साथ चार टेस्ट की मेजबानी करेंगे। फिर जनवरी और फरवरी में भारत में पांच टेस्ट खेलेंगे। इसके बाद वह टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ मनाने के लिए मार्च में इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए स्वदेश लौटेंगे। मैकडॉनल्ड के पास माइकल डि वेनुटो, डैनियल विटोरी और आंद्रे बोरोवेक सहित कोचिंग समूह है और जल्द ही इसमें एक राष्ट्रीय तेज गेंदबाजी कोच को शामिल करेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने कहा कि एंड्रयू एक बेहतरीन पुरुष मुख्य कोच साबित हुए हैं, जिन्होंने असाधारण परिणाम देने के साथ-साथ एक मजबूत कोचिंग टीम, कार्यप्रणाली और टीम के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए एक बेहतरीन माहौल तैयार किया है।

इजराइल ने नए हिजबुल्लाह चीफ को दी धमकी

कहा- वह ज्यादा दिन तक नहीं बचेगा

● नई दिल्ली, एजेंसी

इजराइल ने हिजबुल्लाह के नए चीफ नईम कासिम को चेतावनी दी है। इजराइल का कहना है कि हिजबुल्लाह का नया कमांडर ज्यादा दिन नहीं रहने वाला है। अगर कासिम भी अपने पुराने लीडरों के रास्ते पर चला, तो वह हिजबुल्लाह के इतिहास में सबसे कम दिन चीफ रहने वाला व्यक्ति होगा।

इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने कासिम की नियुक्त पर चेतावनी देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कासिम की फोटो पोस्ट के साथ लिखा कि अस्थायी नियुक्ति। ज्यादा समय तक नहीं चलेगी। इजराइली हमले में हसन नसरल्लाह की मौत के 32 दिन बाद मंगलवार को हिजबुल्लाह ने अपना नया चीफ चुना था। कासिम हिजबुल्लाह में इससे पहले नंबर 2 की पोजिशन पर था। नसरल्लाह की मौत के बाद कासिम ने ही लेबनान की जनता को संबोधित किया था। वअए के मीडिया हाउस इरेम न्यूज के मुताबिक वह अभी ईरान में है। कासिम ने 5 अक्टूबर को बेरूत छोड़ दिया था। उसे ईरान के विदेश मंत्री के विमान से ले जाया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान के नेताओं ने इजराइल के हमले के डर से कासिम को ईरान बुलाया था। कासिम संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहा है और इजराइल के साथ संघर्ष में अक्सर प्रवक्ता की भूमिका निभाता रहा है। इजराइल का कहना है कि लेबनान में शांति केवल तभी ही आएगी जब हिजबुल्लाह की सैन्य शक्ति खत्म कर दी जाए। लेबनान की समस्या का एक ही समाधान है, वो ये कि इस संगठन को पूरी तरह समाप्त किया जाए। इजराइल ने हिजबुल्लाह को खत्म करने के अभियान में सफलता भी मिली है। संगठन की टॉप 8 लीडरों में से इजराइल 5 का खात्मा कर चुका है। चीफ बनने की रेस में कासिम से पहले हाशिम सैफिद्दीन का नाम आगे चल रहा था। हाशिम नसरल्लाह का ममेरा भाई था, लेकिन इजराइली एयरस्ट्राइक में वो भी मारा गया। हाशिम के मौत की पुष्टि खुद इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने की थी। नसरल्लाह और हाशिम की मौत के बाद हिजबुल्लाह में उथल-पुथल मची हुई है। कासिम का जन्म 1953 में लेबनान के कफार किला गांव में हुआ था। 1970 के दशक में कासिम, लेबनान में शियाओं के अमल आंदोलन का हिस्सा बना था। अमल का काम शियाओं के अधिकारों को लेकर लड़ना था। बाद में 1980 के दशक की शुरुआत में कासिम हिजबुल्लाह के आंदोलन के साथ जुड़ा और संगठन की स्थापना करने वाले संस्थापक सदस्यों में शामिल रहा।

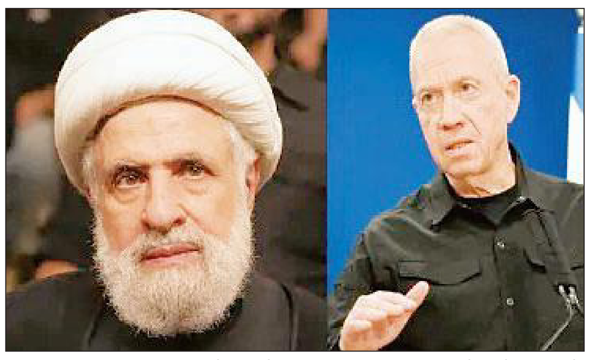

हम देश को आगे लेकर जाना चाहते हैं: अनिल विज

● चंडीगढ़/ अंबाला, वार्ता

हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस देश को वापिस लेकर जाना चाहती है और हम आगे लेकर जाना चाहते हैं और ये उनकी (कांग्रेस) सोच और हमारी सोच में अंतर है। विज ने हस्ताक्षेप करते हुये आज अंबाला के जीटी रोड पर स्थित एक प्राइवेट फैक्टरी के श्रमिकों को उनका बोनस तथा ओवरटाइम दिलवाकर एक प्रकार से दीवाली का उपहार दिलाया। उन्होंने कहा, कि झूठ की बुनियाद पर कांग्रेस ने चुनाव आयोग में अपनी दरखास्त दी थी, और कांग्रेस का चरित्र भी है कि जब ये चुनाव हारते हैं, तब ईवीएम को दोष देते हैं, तथा जब जीतते हैं तब इनको ईवीएम याद नहीं आती। अब हरियाणा में भी ये जिन सीटों से हारे हैं, वहां कह रहे हैं ईवीएम खराब हैं और ये जहां से जीते हैं वहां क्यों नहीं कहते कि ईवीएम खराब है। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुये कहा कि जहां से कांग्रेसी जीते हैं वहां रिजल्ट दो और दोबारा चुनाव लड़ लो। इसलिए, चुनाव आयोग ने इनकी (कांग्रेस) सिलेसिलेवार एक-एक शिकायत का जवाब दे दिया है। चुनाव आयोग ने ये भी कहा है कि बिना वजह इस प्रकार की बातें नहीं उठानी चाहिए, क्योंकि इससे माहौल खराब होता है।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी के 99 प्रतिशत ईवीएम मशीन चार्ज होने के बारे दिये गये बयान के संबंध में पूछे गये सवाल के जवाब में विज ने कहा कि वह अपनी इंजीनियरिंग बता रहे हैं, हो सकता है कि वह (कांग्रेस) अपने राज/कार्यकाल में खोल-खोलकर देखते होंगे।

...शौचालय में यात्री पाये गये तो नहीं चलेगी ट्रेन

दीपावली पर रेलवे पूर्वी भारत के विभिन्न स्थानों के लिए 164 अतिरिक्त गाड़ियों संचालन करेगा

● नई दिल्ली,

भारतीय रेलवे ने इस वर्ष दीपावली एवं छठ पर्व पर देश के पूर्वी भाग की ओर यात्रा करने वाले साधारण श्रेणी के यात्रियों की गरिमापूर्ण मानवीय दशा में यात्रा सुलभ कराने के लिए पहली बार अनेक पहलें की हैं ताकि उन्हें सुरक्षित एवं आरामदेह तरीके से गंतव्य तक पहुंचाया जा सके। रेलवे के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार साधारण श्रेणी के यात्रियों के लिए इस साल 7296 विशेष ट्रेनें चलाने की योजना बनायी गयी है। ये गाड़ियां एक अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच मांग को देखते हुए चलायी जाएंगी।

उल्लेखनीय है कि गत वर्ष 2023 में विशेष गाड़ियों की संख्या करीब 4500 थी जबकि वर्ष 2014 के पहले यह संख्या एक हजार के आसपास रहता था। सूत्रों के अनुसार इस साल के त्योहारी सीजन में पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार एवं झारखंड की ओर लगभग एक करोड़ लोग रोज़ाना यात्रा कर रहे हैं जिनमें से 22 से 23 लाख आरक्षित श्रेणियों में यात्रा कर रहे हैं जबकि शेष अनारक्षित साधारण श्रेणी के गरीब यात्री हैं। सूत्रों ने कहा कि रेलवे ने नयी दिल्ली, आनंद विहार आदि राजधानी क्षेत्र के स्टेशनों पर कम से कम एक होल्डिंग एरिया बनाया है। इसमें साधारण श्रेणी के यात्रियों को रोका जाता है। उनके भोजन एवं पानी का इंतज़ाम भी किया जा रहा है। गाड़ी प्लेटफॉर्म पर लगने एवं गेट खुलने के बाद ही उन्हें स्टेशन के अंदर लाया जा रहा है और गाड़ी की यात्री वहन क्षमता के हिसाब से उतनी ही संख्या में यात्रियों को प्लेटफॉर्म पर लाया जाता है जितने गाड़ी में सवार हो सकें। इसके बाद गाड़ी के गेट बंद करके गाड़ी को रवाना किया जाता है और बाकी यात्रियों को दूसरी गाड़ी में सवार कराया जाता है। इतना ही नहीं, रेलवे के अधिकारी यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि यदि यात्री शौचालय में पाये जाते हैं तो गाड़ी को चलने नहीं दिया जाएगा। यात्रियों के शौचालय के खाली करने पर ही गाड़ी को चलने का सिगनल दिया जाएगा।

प्रकृति और प्रगति में समन्वय आवश्यक: यादव

● भोपाल,

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि पर्यावरण आज सर्वाधिक महत्वपूर्ण विषय है। वसुधा को बचाने का कर्तव्य हम सभी को निभाना है। भारत की पहचान दुनिया में प्रकृति और पर्यावरण को बचाने के संदर्भ में भी बनी है। प्रकृति और प्रगति में समन्वय आवश्यक है।

डॉ यादव कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में 'जलवायु परिवर्तन के लिए वैश्विक प्रयास: भारत की प्रतिबद्धता में राज्यों का योगदान' विषय पर आयोजित विमर्श सत्र एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रह थे। इसका आयोजन अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान (एप्पा) और मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद ने नर्मदा समग्र संस्था पैरवी और सिकोईडिकोन संगठन के सहयोग से किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सारे विश्व में अपने सक्षम नेतृत्व से भारत की प्रतिष्ठा बढ़ा रहे हैं। पर्यावरण के प्रति उनकी चिंता इस बात से सिद्ध होती है कि वे वर्ष 2030 तक भारत द्वारा 500 गीगावाट नवकरणीय ऊर्जा के लक्ष्य को लेकर चल रहे हैं। निश्चित ही हम कार्बन उत्सर्जन में एक बिलियन टन की कमी लाने में सफल होंगे। पर्यावरण की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण संकल्प है। इसकी पूर्ति के लिए राष्ट्रवासी भी सहयोग कर रहे हैं। मध्यप्रदेश नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के संकल्प के अनुसार सौर ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि के लिए प्रदेश अधिक से अधिक योगदान देगा। डॉ यादव ने कहा कि वर्तमान समय में दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें हमारी भारतीय जीवन पद्धति, हमारी मान्यताओं और परमात्मा एवं प्रकृति से जुड़ने के हमारे मूल दृष्टिकोण का अपना महत्व सामने आता है। एक श्रेष्ठ जीवनशैली के लिए भारतीय जाने जाते हैं। खान-पान और जल की शुद्धता के लिए हम गंभीर हैं। मध्यप्रदेश पर परमात्मा की विशेष कृपा है। जहाँ हमारा देश मानवता प्रेमी है, वहीं पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता के लिए भी भारत सक्रिय है। विश्व के कल्याण के लिए, भारत के उदात्त भाव से सभी परिचित हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी विश्व के देशों के लिए आशा की किरण हैं। जहाँ रूस और यूक्रेन के युद्ध की परिस्थितियां सभी के सामने हैं, वहीं इजराइल जैसे राष्ट्र जो तकनीक के उपयोग और अस्मिता के संघर्ष के लिए जाने जाते हैं, भारत के लिए, इन सभी राष्ट्रों का सम्मानजनक रुख है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी और भारत की सामर्थ्य एवं पर्यावरण प्रेमी होने के दृष्टिगत हमारी प्रतिष्ठा विश्व में बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने नर्मदा नदी और उसके तटों की पर्यावरणीय संरक्षण के लिए आवश्यक निर्णय लिए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)